



कठिन समय में कायर बहाना ढूंढते हैं, लेकिन बहादुर व्यक्ति हमेशा रास्ता खोजते हैं।

क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-237 नर्मदापुरम् (होशंगाबाद) शनिवार 31 अक्टूबर 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णाकान्त सक्सेना

बदरीनाथ से लौट रहा हेलीकॉप्टर जोशीमठ के पास दुर्घटनाग्रस्त, छह लोगों की मौत



चमोली के चाई गांव के निकट मिला मलबा, पायलट समेत सभी छह यात्रियों के शव बरामद; खराब मौसम और घना कोहरा हादसे की वजह होने की आशंका

देहरादून (आरएनएस)। उत्तराखंड के चमोली जिले में जोशीमठ के पास शुक्रवार को एक हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में पायलट समेत हेलीकॉप्टर में सवार सभी छह लोगों की मौत हो गई। हेलीकॉप्टर

बदरीनाथ धाम से यात्रियों को लेकर देहरादून के सहस्रधारा लौट रहा था। दुर्घटना के बाद चलाए गए तलाशी अभियान में बचाव दल को घटनास्थल से छह जले हुए शव और हेलीकॉप्टर का मलबा मिला। हादसा भारी बारिश और घने कोहरे के बीच हुआ। खराब मौसम को दुर्घटना की संभावित वजह माना जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, हेलीकॉप्टर शुक्रवार दोपहर करीब डेढ़ बजे जोशीमठ के निकट पहुंचा था। इसी दौरान उसका हवाई यातायात नियंत्रण से संपर्क टूट गया। कुछ ही देर बाद हेलीकॉप्टर का निगरानी तंत्र भी संकेत भेजना बंद हो गया। इसके बाद जिला प्रशासन ने तलाशी अभियान शुरू किया। अभियान में दो हेलीकॉप्टर और मानवहट विमान लगाए गए। भारतीय सेना और राज्य आपदा प्रतिवादन बल (एसडीआरएफ) की टीम भी खोज एवं बचाव कार्य में जुटी। हेलीकॉप्टर में पायलट हिमांशु सभरवाल के अलावा अरुण सालुंके, एच.एस. नागराजा, प्रताप बच्चिहाली निंगराजन, सुधीर और शंकरगोड़ा वी.बी. सवार थे। जानकारी के मुताबिक, पायलट दिल्ली के निवासी थे, जबकि अन्य पांच यात्री बेंगलुरु के रहने वाले थे। मृतकों में अरुण सालुंके बेंगलुरु पुलिस में कार्यरत थे।

उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची से नाम हटाने के फॉर्म-7 में गड़बड़ी के आरोप, सुप्रीम कोर्ट ने दिए जांच के निर्देश

नई दिल्ली (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान नाम हटाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले फॉर्म-7 को लेकर विवाद गहरा गया है। कुछ स्थानों पर बड़ी संख्या में फॉर्म जमा किए जाने और उनमें कथित अनियमितताओं के आरोपों पर



सुप्रीम कोर्ट ने गंभीरता दिखाई है। अदालत ने चुनाव आयोग को शिकायतों में बताए गए तथ्यों की जांच करने और गड़बड़ी पाए जाने पर आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। साथ ही आयोग को इस संबंध में अनुपालन रिपोर्ट भी दाखिल करनी होगी। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं ने उत्तर प्रदेश के कुछ विधानसभा क्षेत्रों में फॉर्म-7 के कथित दुरुपयोग का मुद्दा उठाया। उनका आरोप था कि मतदाता सूची से नाम हटाने के लिए बड़ी संख्या में ऐसे आवेदन जमा किए गए, जिनकी प्रामाणिकता और प्रक्रिया पर सवाल खड़े होते हैं। याचिकाकर्ताओं ने अदालत से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं की ओर से बताया गया कि उत्तर प्रदेश के एक विधानसभा क्षेत्र में कथित तौर पर 32 फॉर्म-7 जमा किए गए थे। इन सभी प्रपत्रों में एक ही समुदाय के लोगों के नाम शामिल होने का दावा किया गया। याचिकाकर्ताओं ने इसे गंभीर मामला बताते हुए कहा कि इस तरह की शिकायतों की सामान्य जांच के बजाय विस्तृत पड़ताल की आवश्यकता है। उन्होंने कुछ फॉर्म की प्रामाणिकता पर भी सवाल उठाए। याचिकाकर्ताओं के अनुसार, अभिलेखों में मौजूद दो फॉर्म पर बृथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) के हस्ताक्षर दिखाई दे रहे थे। इससे यह सवाल खड़ा हुआ कि आवेदन किसने भरे, किस आधार पर जमा किए गए और उनमें अधिकारियों के हस्ताक्षर किस परिस्थिति में आए।

टाइगर श्रॉफ फायरिंग केस में 12वीं गिरफ्तारी, सोनीपत के रोहणा गांव से अमन पकड़ा गया, खाते में मिले सख्खि लेनदेन



सोनीपत (आरएनएस)। बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ की गाड़ी पर हुई फायरिंग के मामले में जांच लगातार आगे बढ़ रही है। इस मामले में एक अन्य गिरफ्तारी हुई है। हरियाणा के सोनीपत जिले के रोहणा गांव से अमन नाम के युवक को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक अमन पहले गिरफ्तार किए जा चुके आरोपी कुणाल का दोस्त है। जांच में सामने आया है कि आरोपियों के बैंक खातों में पैसे का लेनदेन हुआ था और अमन के खाते में भी संदिग्ध ट्रांजेक्शन मिले हैं। इसी आधार पर मुंबई क्राइम ब्रांच की टीम सोनीपत पहुंची और अमन को हिरासत में लिया। अब मुंबई पुलिस अमन से पूछताछ करेगी कि फायरिंग की साजिश में उसकी क्या भूमिका थी और पैसे का लेनदेन किसके इशारे पर हुआ। अमन की गिरफ्तारी के साथ इस केस में कुल गिरफ्तारियों की संख्या 12 हो गई है। वहीं, इससे पहले इस मामले में गिरफ्तार 11 आरोपियों को गुरुवार को मुंबई की विशेष मकोका अदालत में पेश किया गया। मुंबई क्राइम ब्रांच ने आरोपियों से पूछताछ के लिए अदालत से 10 दिनों की पुलिस कस्टडी की मांग की।



शासकीय कर्मचारियों को बड़ी राहत: महंगाई भत्ता बढ़कर 60 प्रतिशत, एरियर 3 समान किशतों में मिलेगा

भोपाल (ए.)। मध्यप्रदेश सरकार ने राज्य के शासकीय कर्मचारियों को बड़ी राहत देते हुए महंगाई भत्ते (डीए) में वृद्धि का निर्णय लिया है। वित्त विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार सातवें वेतनमान के अंतर्गत कर्मचारियों को मिलने वाला महंगाई भत्ता अब 58 प्रतिशत से बढ़ाकर 60 प्रतिशत कर दिया गया है।

वित्त विभाग के परिपत्र के अनुसार यह बढ़ा हुआ महंगाई भत्ता 1 जनवरी 2026 से देय माह फरवरी 2026 माना जाएगा। कर्मचारियों को इसका वास्तविक लाभ 1 जनवरी 2026 से मिलेगा।

शासन द्वारा जारी आदेश में बताया गया है कि 2 प्रतिशत की इस वृद्धि के बाद कर्मचारियों का कुल महंगाई भत्ता 60 प्रतिशत हो जाएगा। यह निर्णय राज्य के लाखों कर्मचारियों के लिए आर्थिक राहत लेकर आ जाएगा।

एरियर का भुगतान 3 किशतों में

राज्य शासन ने स्पष्ट किया है कि महंगाई भत्ते में हुई वृद्धि का लाभ 1 अक्टूबर 2026 भुगतान माह नवम्बर 2026 से किया जायेगा। दिनांक 1 जनवरी 2026 से 30 सितम्बर 2026 तक की अवधि का एरियर की राशि का भुगतान कर्मचारियों को एकमुश्त न देकर तीन समान किशतों में दिया जाएगा। महंगाई भत्ते की वृद्धि का लाभ माह नवम्बर 2026, दिसम्बर 2026 एवं जनवरी 2027 से किया जायेगा।



सेवानिवृत्त और दिवंगत कर्मचारियों के लिए विशेष प्रावधान

शासन ने यह भी व्यवस्था की है कि जो कर्मचारी 1 जनवरी 2026 से 30 सितम्बर 2026 के बीच सेवानिवृत्त हो चुके हैं या जिनका निधन हो गया है, उन्हें अथवा उनके नामांकित सदस्य को एरियर की पूरी राशि एकमुश्त भुगतान की जाएगी।

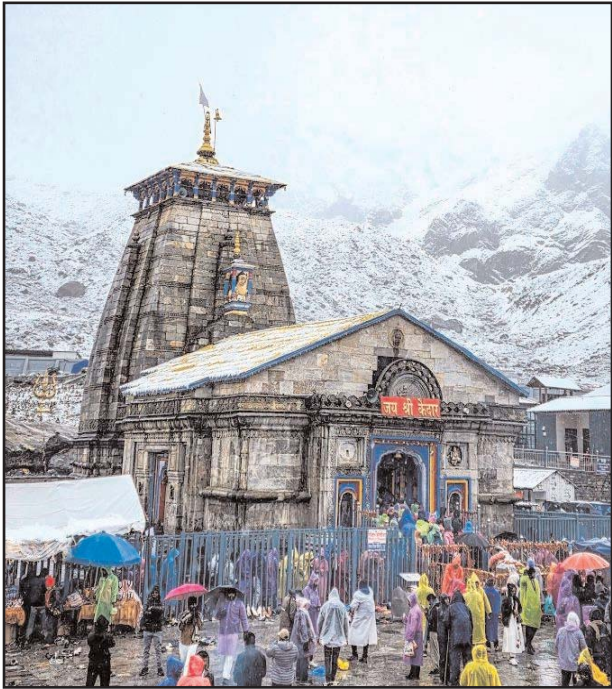
भुगतान संबंधी अन्य निर्देश

आदेश में कहा गया है कि महंगाई भत्ते की गणना में 50 पैसे या उससे अधिक राशि को अगले पूर्ण रुपये में जोड़ा जाएगा, जबकि 50 पैसे से कम राशि को छोड़ दिया जाएगा। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया है कि महंगाई भत्ते का कोई भी हिस्सा किसी अन्य प्रयोजन के लिए वेतन का भाग नहीं माना जाएगा। शासन ने सभी विभागों को निर्देश दिए हैं कि महंगाई भत्ते के भुगतान पर होने वाला व्यय

संबंधित विभाग के स्वीकृत बजट प्रावधान के भीतर ही सुनिश्चित किया जाए।

इंडिया गठबंधन ने बारिश की वजह से जानेश कुमार के खिलाफ बुलाई मॉक संसद रद्द की

नई दिल्ली, (आरएनएस)। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) जानेश कुमार के खिलाफ शुक्रवार को बुलाई गई मॉक संसद (छद्म संसद) बारिश के कारण रद्द कर दी गई है। अब यह शनिवार को होगी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने इंडिया गठबंधन के नेताओं के साथ की प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि यह आयोजन अब शनिवार को होगा। आयोजन स्थल और समय में कोई परिवर्तन नहीं है। यह दोपहर साढ़े 3 बजे कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का 10 राजाजी मार्ग स्थित आवास में होगा। मॉक संसद में विपक्ष जानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग लाएगा, जिस पर बहस होगी। बताया जा रहा है कि मॉक संसद में स्पीकर की भूमिका पूर्व लोकसभा स्पीकर और कांग्रेस नेता मीरा कुमार निभाएंगी। इस मॉक संसद में सिर्फ सांसद ही शामिल नहीं होंगे, बल्कि छात्र और सिविल सोसाइटी के लोग और वकीलों का समूह भी शामिल होगा। विपक्ष का कहना है कि संसद में महाभियोग प्रस्ताव पर हर बार अड़ंगा लग रहा है, जबकि जनसंसद में यह पूरा होगा।



उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में बर्फबारी के बीच श्रद्धालु केदारनाथ मंदिर पहुंच रहे हैं, जहाँ आसपास की पहाड़ियाँ बर्फ की चादर से ढकी हुई हैं।

भूटान में ग्लेशियल झील फटने से असम और पश्चिम बंगाल में हाई अलर्ट, बाढ़ के आसार

-भारत-भूटान सीमा तक 6 से 8 घंटे में पहुंच सकता है बाढ़ का पानी, चार हजार लोगों को सुरक्षित आश्रय स्थलों में भेजा गया; संकोश नदी के किनारे रहने वालों को सतर्क रहने की सलाह



गुवाहाटी/कोलकाता, (आरएनएस)। भूटान के ऊंचाई वाले हिमालयी क्षेत्र में एक विशाल हिमनदीय झील के अचानक फटने से भारत के पूर्वोत्तर और पूर्वी हिस्सों में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। संभावित आपदा को देखते हुए असम और पश्चिम बंगाल के निचले इलाकों में उच्च सतर्कता जारी कर दी गई है। झील फटने से अचानक आई बाढ़ के कारण भूटान में सौर ऊर्जा से संचालित सिंचाई परियोजना को नुकसान पहुंचा है, जबकि पुनाखा-गासा राजमार्ग का एक हिस्सा मलबे से बंद हो गया है। राहत की बात यह है कि अब तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

रिपोर्ट के अनुसार, भूटान के गासा जिले में स्थित शिंटाफू झील गुरुवार को अचानक फट गई। यह झील मो-छू नदी के ऊपरी जलग्रहण क्षेत्र में स्थित है। झील में पानी का स्तर बढ़ने और उसके प्राकृतिक अवरोध के टूटने से बड़ी मात्रा में पानी तेजी से नदी में पहुंचा है। इसके कारण नदी का जलस्तर बढ़ने की आशंका है। पानी का बहाव दक्षिण दिशा में होने के कारण इसका असर भारत के असम और पश्चिम बंगाल के सीमावर्ती क्षेत्रों तक पहुंच सकता है।

विशेषज्ञों के अनुसार, बढ़ते तापमान और ग्लेशियरों के पिघलने से बनी हिमनदीय

झीलों में प्राकृतिक रूप से निर्मित मलबे के बांध कमजोर हो सकते हैं। इन बांधों में अस्थिरता आने या दरार पड़ने से झील में जमा पानी अचानक बाहर निकल जाता है। इसी तरह की घटना को हिमनदीय झील विस्फोट से उत्पन्न बाढ़ कहा जाता है। इससे पानी और भारी मात्रा में मलबा तेजी से पहाड़ी घाटियों से होकर निचले इलाकों की ओर बढ़ता है।

नौसेना को मिलेंगे 40 हजार करोड़ के आठ अत्याधुनिक युद्धपोत, केंद्र सरकार ने दी मंजूरी

नई दिल्ली, (आरएनएस)। केंद्र सरकार ने भारतीय नौसेना की समुद्री ताकत बढ़ाने के लिए 40 हजार करोड़ रुपये से अधिक की महत्वपूर्ण रक्षा परियोजना को मंजूरी दी है। इसके तहत नौसेना के लिए आठ अगली पीढ़ी के आधुनिक युद्धपोत (कॉर्बेट) तैयार किए जाएंगे। सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीएस) ने इस परियोजना को स्वीकृति प्रदान की है। इस समिति की अध्यक्षता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करते हैं। हाल के दिनों में उच्चस्तरीय मंजूरी प्राप्त करने वाली यह प्रमुख रक्षा परियोजनाओं में से एक है। जानकारी के अनुसार, इन आठ युद्धपोतों का निर्माण दो सरकारी पोत निर्माण कंपनियों करेंगी। इनमें कोलकाता स्थित गार्डेन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) और गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (जीएसएल) शामिल हैं। दोनों कंपनियों के साथ युद्धपोत निर्माण के अनुबंध पर जल्द हस्ताक्षर होने की संभावना है। इसके बाद निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। इस परियोजना से भारतीय नौसेना के सतही युद्धपोत बेड़े की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है। इसके साथ ही देश में स्वदेशी युद्धपोत निर्माण उद्योग को भी बड़ा प्रोत्साहन मिलेगा। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इन युद्धपोतों में 70 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री का इस्तेमाल किया जाएगा। परियोजना के तहत तैयार होने वाले युद्धपोत लगभग दो हजार टन क्षमता के होंगे। इनकी अधिकतम गति करीब 30 नॉट यानी लगभग 55 किलोमीटर प्रति घंटा होगी।

सुप्रीम कोर्ट ने पटारखा मुक्त दिवाली के लिए सुझाव दिया, कहा- विराट कोहली से कराओ प्रचार

नई दिल्ली (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने दिवाली के दौरान पटाखों पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाने से इनकार कर दिया, लेकिन सुझाव दिया कि वे प्रचार-प्रसार के जरिए लोगों में जागरूकता बढ़ा सकते हैं। न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और पीबी वराले की पीठ ने पटाखों से होने वाले प्रदूषण और पटाखों के विनियमितकरण से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान यह बात कही। उन्होंने सुझाव दिया कि जागरूकता के लिए क्रिकेटर विराट कोहली जैसी जानी-मानी हस्तियों को शामिल किया जा सकता है।

पीठ ने याचिकाकर्ताओं से कहा, आप विराट कोहली या किसी और मशहूर क्रिकेटरों से मदद ले सकते हैं। आप उनसे एक सेगमेंट बनाने का अनुरोध कर सकते हैं जिससे हम इस दिवाली को मजेदार बना सकें। आइए हम रौशनी के त्योहार की भावना का आनंद लें। पीठ ने कहा, हम जनता की भावना भी समझते हैं। कोई जश्न मनाना चाहता है... इसलिए, पूरी तरह प्रतिबंध के पक्ष में नहीं। अगर आदेश लागू नहीं होते तो वे मजाक बन जाते हैं। कोर्ट ने गुरुवार को 2015 के एक केस की सुनवाई की थी, जिसमें उसने अक्टूबर से जनवरी के बीच दिल्ली और वायु प्रदूषण से प्रभावित दूसरे उत्तर भारतीय राज्यों में पटाखों पर रोक लगाने के आदेश दिए हैं। दिल्ली में पटाखों पर पहले से प्रतिबंध था, लेकिन 2025 में दिवाली के त्योहार के दौरान कुछ समय के लिए हरित पटाखों की बिक्री और फोड़ने की इजाजत परीक्षण के तौर पर दी थी। याचिकाकर्ता गोपाल शंकरनारायणन ने पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध की मांग करते हुए कहा कि प्रदूषण जीवन के अधिकार के लिए खतरा है। उन्होंने उद्योग में बाल मजदूरी और स्टोरेज नियमों के उल्लंघन पर भी ध्यान दिलाया। पटाखा बनाने वालों की तरफ से वकील जे साई दीपक ने कहा कि पूरी तरह प्रतिबंध बेअसर है और इससे कालाबाजारी, चीनी पटाखों की तस्करी और बिना लाइसेंस वाले उत्पाद की बिक्री को बढ़ावा मिला है।



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि वितरण कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया

शादी का झांसा देकर युवती का शारीरिक शोषण, अश्लील वीडियो से करता रहा ब्लैकमेल; आरोपी गिरफ्तार

शहडोल (ए.)। शहडोल के बुढ़ार क्षेत्र में शादी का झांसा देकर युवती का शारीरिक शोषण करने और अश्लील वीडियो से ब्लैकमेल करने के आरोप



में पुलिस ने कनिष्क सिंह उर्फ छोटू को गिरफ्तार किया है। युवती ने गर्भपात कराने और परिवार को धमकाने के आरोप भी लगाए हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है। इंस्टाग्राम पर हुई दोस्ती, प्रेम संबंध और शादी के वादे के बाद युवती का शारीरिक शोषण करने के आरोप में बुढ़ार पुलिस ने केशवाही क्षेत्र के युवक कनिष्क सिंह उर्फ छोटू को गिरफ्तार किया है। 23 वर्षीय युवती ने

आरोपी पर शादी का झांसा देकर कई बार शारीरिक संबंध बनाने, अश्लील वीडियो तैयार कर ब्लैकमेल करने और शादी से इनकार करने के आरोप लगाए हैं। युवती ने शिकायत में तीन बार गर्भवती होने और गर्भपात कराए जाने का भी दावा किया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई की है। पुलिस के अनुसार, युवती ने 12 अक्टूबर 2026 को शहडोल महिला थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 69 के तहत जीरो एफआईआर दर्ज की गई थी। घटनास्थल और क्षेत्राधिकार के आधार पर मामला बुढ़ार पुलिस को सौंपा गया। इसके बाद पुलिस ने जांच शुरू करते हुए आरोपी की तलाश की और उसे गिरफ्तार कर लिया।

सीधी में बस-कार की आमने-सामने टक्कर, महिला समेत 3 की मौत, 5 साल की बच्ची गंभीर घायल



सीधी, (ए.)। मध्य प्रदेश के सीधी जिले में शुक्रवार दोपहर एक यात्री बस और कार की आमने-सामने टक्कर में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि कार में सवार पांच साल की बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसा चुरहट थाना क्षेत्र के अमरपुर स्थित बेहड़ा मोड़ के पास दोपहर करीब 1३0 बजे हुआ। टक्कर इतनी तेज थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंची। घायल बच्ची को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका उपचार जारी है। पुलिस के मुताबिक, हादसे में जान

गंवाने वालों में मैहर जिले के देवरा निवासी अनिल तिवारी (35) और मनोमरा तिवारी (30) शामिल हैं। तीसरे मृतक की पहचान फिलहाल नहीं हो सकी है। घायल बच्ची की पहचान रानी तिवारी (5) के रूप में हुई है। पुलिस मृतक की पहचान और हादसे के कारणों का पता लगाने में जुटी है।प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, बस और कार की टक्कर के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सड़क पर तीन लोगों के शव पड़े थे, जबकि कार के अंदर बच्ची घायल अवस्था में रो रही थी। स्थानीय लोगों ने तत्काल डायल 112 और एंबुलेंस को सूचना दी। इसके बाद लोगों की मदद से बच्ची को कार से बाहर निकाला गया और उपचार के लिए भेजा गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, कार सीधी से रामपुर नैकिन की ओर जा रही थी।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान : शहपुरा के ग्राम कमतिया में प्राकृतिक खेती एवं बायो रिसोर्स सेंटर कासंयुक्त संचालक कृषि ने किया भ्रमण



जबलपुर (ए.)। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत आज शुक्रवार को विकासखंड शहपुरा के ग्राम कमतिया में आत्मा परियोजना द्वारा स्थापित बायो रिसोर्स सेंटर का संयुक्त संचालक कृषि के एस नेताम ने भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने कृषकों की बैठक लेकर प्राकृतिक खेती की गतिविधियों एवं उनके परिणामों की जानकारी प्राप्त की।बैठक में कृषकों से बायो रिसोर्स सेंटर के माध्यम से तैयार किए जा रहे प्राकृतिक कृषि उत्पादों एवं उनके उपयोग के संबंध में चर्चा की गई। कृषकों से जानकारी ली गई कि विभिन्न फसलों में बीजामृत, जीवामृत एवं दर्शपाणी अर्क के उपयोग से फसल उत्पादन पर क्या प्रभाव पड़ा है तथा परंपरागत खेती की तुलना में उत्पादन लागत एवं उपज में कितना अंतर आया

है। संयुक्त संचालक ने भ्रमण के दौरान मौजूद कृषि सखियों से भी उनके क्षेत्र में संचालित गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने खरीफ सीजन की संपूर्ण कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश कृषि अधिकारियों को दिये, साथ ही किसानों को बीआरसी युनित से लगे खेतों में प्राकृतिक खेती करने के लिए प्रोत्साहित किया।संयुक्त संचालक कृषि के भ्रमण के दौरान उप संचालक कृषि उमेश कटहरे एवं परियोजना संचालक आत्मा डॉ. इंदिरा त्रिपाठी सहित किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग का मैदानी अमला भी मौजूद था।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर 31 अक्टूबर को झाबुआ में आयोजित होगी ‘एकता दौड़’

झाबुआ (ए.)। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया जाएगा। इस अवसर पर सरदार वल्लभभाई पटेल के राष्ट्र निर्माण में अतुलनीय योगदान का स्मरण करने तथा राष्ट्रीय एकता, अखंडता, सामाजिक सद्भाव एवं नागरिक कर्तव्यों के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से जिला मुख्यालय झाबुआ में ‘एकता दौड़’ (Run for Unity) का आयोजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में 21 अक्टूबर 2026 को आयोजित बैठक में दिए गए निर्देशों के पालन में राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर शनिवार, 31 अक्टूबर 2026 को प्रातः 9 बजे एकता दौड़ का आयोजन किया जाएगा।

त्यापार समाचार

यूरोपीय सेंट्रल बैंक की अध्यक्ष क्रिस्टीन लेगार्ड ने दिया इस्तीफा, 7 फरवरी 2027 को छोड़ेंगी पद

नई दिल्ली (ए.)। यूरोपीय सेंट्रल बैंक (ईसीबी) की अध्यक्ष क्रिस्टीन लेगार्ड ने गुरुवार को अपने पद से इस्तीफा देने की घोषणा की। वह 7 फरवरी 2027 को पद छोड़ देंगी। उन्होंने इस फैसले की जानकारी बैंक की गवर्निंग कार्डसिल और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा को दी।

बैंक की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, लेगार्ड के उत्तराधिकारी की नियुक्ति यूरोपीय परिषद करेगी। इसके लिए यूरोपीय संघ के कामकाज पर संधि के अनुच्छेद 283 में निर्धारित प्रक्रिया के तहत नामांकन किया जाएगा। बयान में कहा गया कि गवर्निंग कार्डसिल ने लेगार्ड के योगदान के लिए उनका आभार जताया और उन्हें लंबे समय तक खड़े होकर सम्मान दिया।

सोशल मीडिया पर जारी एक वीडियो संदेश में लेगार्ड ने कहा, मैं इस संस्थान को इस संतोष के साथ छोड़ रही हूँ कि मैंने अच्छा काम किया है और यूरोपीय सेंट्रल बैंक भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार है। लेगार्ड अपने निर्धारित कार्यकाल की समाप्ति से करीब सात महीने पहले पद छोड़ रही हैं। यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा ने कहा कि उनके उत्तराधिकारी की तलाश की प्रक्रिया तत्काल शुरू की जाएगी।

ईसीबी में अन्य शीर्ष पदों पर होने वाली नियुक्तियों के साथ ही नए अध्यक्ष की नियुक्ति किए जाने की संभावना है। इनमें कार्यकारी बोर्ड की सदस्य इसाबेल र्नाबेल का पद भी शामिल है, जो जनवरी की शुरुआत में पद छोड़ेंगी। वहीं, बैंक के मुख्य अर्थशास्त्री फिलिप लेन मई में अपना पद छोड़ने वाले हैं। नीदरलैंड के पूर्व केंद्रीय बैंक गवर्नर क्लास नॉट और स्पेन के पूर्व केंद्रीय बैंक गवर्नर पाब्लो हेर्नांडेज डी कोस को ईसीबी के शीर्ष पद के लिए प्रमुख दावेदारों के रूप में देखा जा रहा है।

लेगार्ड का इस्तीफा ऐसे समय में आया है, जब उनके गृह देश फ्रांस में चुनाव होने वाले हैं। उन्होंने पहले ही स्पष्ट किया है कि वह फ्रांस के राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार नहीं बनेंगी। हालांकि, उन्होंने कहा था कि वह फ्रांस में यूरोपीय समर्थक मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए अपनी ओर से सबसे प्रभावी भूमिका निभाएंगी। 70 वर्षीय लेगार्ड फ्रांस की पूर्व वित्त मंत्री रह चुकी हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) का नेतृत्व भी किया है।कुछ पर्यवेक्षकों का मानना है कि लेगार्ड के इस्तीफे के पीछे फ्रांस की राजनीति में भूमिका निभाने की उनकी इच्छा हो सकती है। ईसीबी अध्यक्ष के मौजूदा पद पर रहते हुए उनके लिए ऐसा करना संभव नहीं होता।

अंबुजा सीमेंट्स की दूसरी तिमाही में आय 9 हजार करोड़ रुपए के पार, बिक्री 16.5 मिलियन टन रही

अहमदाबाद (ए.)। अदाणी ग्रुप की कंपनी अंबुजा सीमेंट्स ने गुरुवार को वित्त वर्ष 27 की दूसरी तिमाही के नतीजे जारी किए। इस दौरान कंपनी की परिचालन से आय तिमाही आधार पर 9,197 करोड़ रुपए रही है। वहीं, ऑपरेटिंग ईबीआईटीडीए 1,271 करोड़ रुपए और ईबीआईटीडीए मार्जिन 13.8 प्रतिशत रहा है। स्टॉक एक्सचेंज में दी गई जानकारी के अनुसार, सीमेंट निर्माता ने तिमाही के दौरान 16.5 मिलियन टन की बिक्री दर्ज की, जिसमें उसके ट्रेड बिजनेस में लगातार हो रही वृद्धि का योगदान रहा।

ट्रेड वॉल्यूम में सालाना आधार पर 8.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि ट्रेड सेल्स का हिस्सा 6 प्रतिशत अंक बढ़कर 74 प्रतिशत हो गया।

ट्रेड सेल्स में प्रीमियम उत्पादों की हिस्सेदारी 37 प्रतिशत रही, जो एक साल पहले की तुलना में 2 प्रतिशत अंक अधिक है। कंपनी की रेगुलेटरी फाइलिंग के अनुसार, इस तिमाही में कंपनी का प्रति टन ईबीआईटीडीए 770 रुपए रहा। अंबुजा सीमेंट्स ने बताया कि इस तिमाही में उसने 4.6 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) की नई क्षमता शुरू की है, जिसमें दहेज, सलाई बनवां और कलंबोली की परियोजनाएं शामिल हैं। बॉटंडा और जोधपुर क्षेत्र में 3.2 एमटीपीए की अतिरिक्त क्षमता को स्थिर किया जा रहा है और बढ़ाया जा रहा है, जबकि वारिसलीगंज में 2.4 एमटीपीए की क्षमता के वित्त वर्ष 2027 की दूसरी छमाही में शुरू होने की उम्मीद है।

भारत के एफटीए से वैश्विक जीडीपी के 76 प्रतिशत बाजार तक पहुंच, निर्यात को मिलेगा बड़ा बढ़ावा : पीयूष गोयल

नई दिल्ली (ए.)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि भारत के मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के कारण देश को अब लगभग 115 ट्रिलियन डॉलर की वैश्विक अर्थव्यवस्था के 76 प्रतिशत हिस्से तक वरीयता प्राप्त बाजार पहुंच मिल रही है। उन्होंने बताया कि भारत वर्तमान में आठ अन्य द्विपक्षीय और बहुपक्षीय व्यापार समझौतों पर भी बातचीत कर रहा है, जिनके जुड़ने से लगभग 15 ट्रिलियन डॉलर की अतिरिक्त वैश्विक अर्थव्यवस्था तक पहुंच मिल सकती है।

राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित इनवेस्ट तेलंगाना ग्लोबल समिट के कर्टेन रेजर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गोयल ने ए. रेवंत रेड्डी को बधाई देते हुए कहा कि तेलंगाना का 2047 तक 3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य सामूहिक प्रयासों से हासिल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार, राज्य सरकार, उद्योग जगत, निवेशकों और नागरिकों की साझी भागीदारी इस लक्ष्य को साकार कर सकती है।

दिवाली से पहले सोने-चांदी की कीमतें पड़ाम, गोल्ड 0.59 प्रतिशत दृढ़ तो सिल्वर 3,700 रुपए गिरी

नई दिल्ली (ए.)। त्योहारी सीजन के बीच सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट का सिलसिला लगातार जारी है। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में कीमती धातुओं पर दबाव देखने को मिला। अमेरिका में महंगाई के अपेक्षा से अधिक रहने, फेडरल रिजर्व के दिसंबर में ब्याज दर बढ़ाने की संभावनाओं और ऊंची बॉन्ड यील्ड के चलते एमसीएक्स पर गोल्ड और सिल्वर में 3,000 रुपए तक की गिरावट दर्ज की गई। इसका फायदा फिलहाल धनतेरस और दिवाली से पहले खरीदारी की तैयारी कर रहे उपभोक्ताओं को मिल रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स में सोना करीब 0.28 प्रतिशत गिरकर 4,020 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करता दिखा, जबकि चांदी 1.20 प्रतिशत टूटकर 51.750 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई।

विशेषज्ञों के अनुसार, अमेरिकी कोर पीसीई महंगाई सितंबर में 0.3 प्रतिशत बढ़ी, जबकि वार्षिक दर 3.1 प्रतिशत पर पहुंच गई। इसके साथ ही तीसरी तिमाही में अमेरिकी अर्थव्यवस्था की 3.4 प्रतिशत वृद्धि ने यह संकेत दिया है कि फेडरल रिजर्व ब्याज दरों को लंबे समय तक ऊंचा रख सकता है। बाजार अब दिसंबर में फेड की ओर से दर बढ़ोतरी की संभावना 80 प्रतिशत से अधिक मान रहा है, जिससे गैर-ब्याज देने वाली संपत्तियों जैसे सोने पर दबाव बना हुआ है।वहीं, वैश्विक कमजोरी का असर भारतीय बाजार पर भी दिखाई दिया। घरेलू बाजार में सोना गिरकर 1.42 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी 1.86 लाख रुपए प्रति किलोग्राम के आसपास कारोबार करती दिखाई दी।मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर दिसंबर डिलीवरी वाला सोना अपने पिछले बंद भाव 1,42,596 से 800 रुपए से ज्यादा या 0.59 प्रतिशत टूटकर 1,41,753 रुपए प्रति 10 ग्राम के दिन के निचले स्तर पर पहुंच गया।



गोयल ने बताया कि भारत के मौजूदा व्यापार समझौतों ने देश को 70 ट्रिलियन डॉलर की वैश्विक जीडीपी वाले बाजारों तक वरीयता प्राप्त पहुंच प्रदान की है। इनमें से लगभग 10 ट्रिलियन डॉलर को पहुंच पुराने समझौतों से मिली, जबकि हाल के वर्षों में संपन्न नौ नए व्यापार समझौतों के जरिए 60 ट्रिलियन डॉलर की अतिरिक्त बाजार पहुंच प्राप्त हुई है।

उन्होंने कहा कि वैश्विक चुनौतियों के बीच

कलयुग की सावित्री करवाचौथ पर पति की जान बचाने के लिए व्रत में जहरीले सांप से भिड़ी पत्नी, पटक-पटककर ले ली जान

भिंड (ए.)। मध्य प्रदेश के भिंड जिले से करवा चौथ के दिन एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। जहां महिलाएं अपने पति को लंबी उम्र और सुखी वैवाहिक जीवन की कामना के लिए व्रत रख रही थीं, वहीं एक महिला ने अपने पति की सलामती के लिए जहरीले सांप से मुकाबला कर लिया। महिला ने सांप को पटक-पटककर मार डाला। इसके बाद वह मृत सांप को लेकर जिला अस्पताल पहुंच गई, जहां उसे देखकर अस्पताल में मौजूद लोगों के बीच हड़कंप मच गया। घटना अब पूरे इलाके में चर्चा का विषय बनी हुई है।जानकारी के मुताबिक, करवा चौथ के दिन महिला अपने पति की लंबी उम्र और अच्छे स्वास्थ्य की कामना करते हुए व्रत रखे हुए थी। घर में त्योहार की तैयारियां चल रही थीं। इसी दौरान अचानक महिला के सामने एक जहरीला सांप आ गया। सांप को देखकर आमतौर पर लोग डर जाते हैं और सुरक्षित जगह पर चले जाते हैं, लेकिन इस महिला ने हिम्मत दिखाते हुए सांप से मुकाबला करने का फैसला किया।

बताया जा रहा है कि महिला ने सांप को पकड़कर पटक-पटककर मार डाला। इस दौरान महिला ने अपने पति के प्रति प्रेम और व्रत को लेकर अपनी प्रतिबद्धता भी जाहिर की। महिला का कहना था कि जब तक वह अपने पति के हाथों से पानी नहीं पी लेगी, तब तक सांप को नहीं छोड़ेगी। सांप को मारने के बाद ही उसने राहत की सांस ली।

फ्रीगंज के नए ब्रिज के नीचे सर्विस रोड पर जल्द दौड़ेंगे वाहन, टॉवर चौराहा पर जाम से मिलेगी राहत

उज्जैन (ए.)। शहरवासियों के लिए अच्छी खबर है। फ्रीगंज में बन रहे नए समानांतर ओवरब्रिज का काम अब तेज रफ्तार पकड़ चुका है। ब्रिज के मक्सी रोड वाले हिस्से में 42–42 टन वजनी प्रीकास्ट स्लैब रखने का काम पूरा कर लिया गया है। इसके लिए 120 टन क्षमता वाली दो बड़ी क्रेनों की मदद ली गई। रात में भी काम जारी रहा।अब सबसे बड़ी राहत की बात ये है कि मक्सी रोड तरफ की सर्विस रोड को जल्द ही आम लोगों के लिए खोल दिया जाएगा। इससे टॉवर चौराहा और ग्रांड होटल के सामने लगने वाले जाम से छुटकारा मिलेगा। निर्माण एजेंसी का लक्ष्य दीपावली तक स्लैब का काम पूरा करना है। इसके बाद ब्रिज का काम टॉवर की तरफ आगे बढ़ाया जाएगा। वहां तोड़फोड़ कम होने से काम और तेजी से होगा।

सिंहस्थ 2028 के लिए तैयार हो रहा है फोरलेन ब्रिज

ये नया ब्रिज सिंहस्थ 2028 को ध्यान में रखकर बनाया जा रहा है। 633 मीटर लंबा और 21.40 मीटर चौड़ा ये फोरलेन ब्रिज होगा। इसकी लागत 91.76 करोड़ रुपये है। दोनों तरफ 9–9 मीटर चौड़ी सड़क, फुटपाथ और बीच में डिवाइडर बनेंगे। ब्रिज बनने के बाद पुराने और नए शहर के बीच का ट्रैफिक दबाव कम होगा। फ्रीगंज, चामुंडा माता चौराहा और आसपास के लोगों को बड़ी राहत मिलेगी।



अभय शासना का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि उस समय भी व्यापार के लिए स्थिरता और नीतिगत स्पष्टता को महत्व दिया गया था और आज भी निवेशक इसी प्रकार की नीति निरंतरता और भरोसे की अपेक्षा रखते हैं।

तेलंगाना की लगभग 200 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था को 2047 तक 3 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने के लक्ष्य का स्वागत करते हुए गोयल ने कहा कि यह महत्वाकांक्षी लक्ष्य पूरी तरह संभव है, लेकिन इसके लिए सभी हितधारकों को मिलकर काम करना होगा। उन्होंने कहा कि किसानों, मछुआरों, तकनीकी विशेषज्ञों, वैज्ञानिकों, स्टार्टअप्स, महिला उद्यमियों और सरकारी अधिकारियों सहित सभी वर्गों की भागीदारी आवश्यक होगी।

गोयल ने कहा कि तेलंगाना दवा उद्योग, एयरोस्पेस एवं रक्षा क्षेत्र, मूल्यवर्धित कृषि, खाद्य प्रसंस्करण, अनुसंधान एवं विकास, नवाचार और सेवा क्षेत्र की विशेषज्ञों, वैज्ञानिकों, स्टार्टअप्स, महिला उद्यमियों और सरकारी अधिकारियों सहित सभी वर्गों की भागीदारी आवश्यक होगी।

गोयल ने कहा कि तेलंगाना दवा उद्योग, एयरोस्पेस एवं रक्षा क्षेत्र, मूल्यवर्धित कृषि, खाद्य प्रसंस्करण, अनुसंधान एवं विकास, नवाचार और सेवा क्षेत्र की विशेषज्ञों, वैज्ञानिकों, स्टार्टअप्स, महिला उद्यमियों और सरकारी अधिकारियों सहित सभी वर्गों की भागीदारी आवश्यक होगी।

गोयल ने कहा कि तेलंगाना दवा उद्योग, एयरोस्पेस एवं रक्षा क्षेत्र, मूल्यवर्धित कृषि, खाद्य प्रसंस्करण, अनुसंधान एवं विकास, नवाचार और सेवा क्षेत्र की विशेषज्ञों, वैज्ञानिकों, स्टार्टअप्स, महिला उद्यमियों और सरकारी अधिकारियों सहित सभी वर्गों की भागीदारी आवश्यक होगी।

भारत में तेजी से घट रही गरीबी, करीब 50 करोड़ गरीबी रेखा से बाहर आए, वर्ल्ड बैंक की आई रिपोर्ट



नई दिल्ली (ए.)। भारत ने गरीबी में बीते एक दशक में दुनिया की सबसे तेज गिरावट में से एक दर्ज की है और देश में 2011 से 2023 के बीच करीब 49.6 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। यह जानकारी वर्ल्ड बैंक की एक रिपोर्ट में दी गई। वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट में बताया गया कि 2011 से 2023 के बीच निम्न-मध्यम आय वर्ग (4.2 डॉलर प्रति दिन, 2021 पीपीपी) से नीचे रहने वालों की जनसंख्या में हिस्सेदारी 57.7

प्रतिशत से घटकर 16.1 प्रतिशत हो गई है।अत्यधिक गरीबी (3.00 डॉलर प्रतिदिन) से नीचे रहने वालों की जनसंख्या में हिस्सेदारी 27.1 प्रतिशत से घटकर 2.6 प्रतिशत हो गई।रिपोर्ट में देश में गरीबी में गिरावट की मुख्य वजह खपत में मजबूत वृद्धि, रोजगार में बढ़ोतरी (विशेषकर महिलाओं के बीच), और खाद्य सब्सिडी सहित सामाजिक हस्तंतरणों के विस्तार को बताया गया।रिपोर्ट के अनुसार, गरीबी में कमी आने का सिलसिला जारी रहने का अनुमान है, हालांकि इसकी गति थोड़ी धीमी रहेगी। 4.20 डॉलर प्रतिदिन की गरीबी रेखा पर के नीचे रहने वाले लोगों की जनसंख्या में हिस्सेदारी 2026 में 14.2 प्रतिशत से घटकर 2028 तक 12.1 प्रतिशत पर पहुंचने की उम्मीद है।

वर्ल्ड बैंक के मुताबिक, जैसे-जैसे गरीबी कम हुई, यह उन परिवारों के बीच अधिक केंद्रित होती गई, जिनका शिक्षा का स्तर कम था, जिनके पास संपत्ति कम थी, जिन्हें स्थिर रोजगार के अवसर कम मिले थे और जिन पर आश्रितों का बोझ अधिक था। हालांकि, वेतन में असमानता अभी भी काफी अधिक है। 2023 में, सबसे अधिक कमाने वाले 10 प्रतिशत कामगारों की मीडियन कमाई, सबसे कम कमाने वाले 10 प्रतिशत कामगारों की तुलना में लगभग 13 गुना थी। इसके अतिरिक्त, हाल के समय में, 2017 से 2023 के बीच, रोजगार में लगभग 13.4 करोड़ लोगों की वृद्धि हुई। यह कामकाजी उम्र की आबादी में हुई वृद्धि का लगभग दोगुना है। इस बढ़ोतरी का एक बड़ा हिस्सा ग्रामीण महिलाओं के वेतन वाले काम में आने से आया है, जिससे प्रति परिवार कमाने वालों की संख्या में वृद्धि हुई है।

सम्पादकीय



**अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य**

सरकार की मंजूरी ही निर्णायक

जजों की नियुक्ति में सरकार की मंजूरी ही निर्णायक रही, तो फिर कार्यपालिका एवं न्यायपालिका के बीच अलगाव के सिद्धांत का क्या हुआ ? और क्या इसे तथा न्यायपालिका की स्वतंत्रता का सम्पूर्ण नहीं माना जाएगा ? भारतीय संविधान में अपनाए गए शक्तियों के विभाजन के सिद्धांत के तहत न्यायपालिका की स्वायत्त हैसियत है। सर्वोच्च न्यायालय ने व्याख्या की कि ये विभाजन संविधान के मूलभूत ढांचे का हिस्सा है। इसी आधार पर उसने 1993 और 1998 में दिए दो निर्णयों के जरिए उच्चतर न्यायपालिका में जजों की नियुक्ति के लिए कॉलेजियम सिस्टम कायम किया। इस प्रणाली की अक्सर यह कहकर आलोचना की गई है कि इससे सुप्रीम कोर्ट ने जजों की नियुक्ति में सरकार और विधायिका की भूमिका खस कर दी और उसने खुद को 'स्वायत्त' की जगह 'स्वतंत्र' बना लिया। ऐसा सिस्टम शायद ही किसी और लोकतांत्रिक देश में हो। मगर भारत की विशेष परिस्थितियों में नियुक्ति प्रक्रिया को पूर्णतः न्यायपालिका के दायरे में रखने के चलन को व्यापक जन-समर्थन रहा है। यह इस भरोसे रहा है कि इससे शासन व्यवस्था में अवरोध एवं संतुलन के सिद्धांत को व्यावहारिक बनाए रखने में मदद मिलेगी। अब सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व जज न्यायमूर्ति संजय किशन कोट ने पूर्व प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ के व्यवहार के बारे में जो कहा है, उसे इसी बड़े संदर्भ में देखना चाहिए। जस्टिस कोल ने कहा कि न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ कॉलेजियम के जरिए जजों की नियुक्ति का प्रस्ताव भेजने के पहले जजों की लिस्ट पर सरकार की मंजूरी लेते थे। न्यायमूर्ति कोल ने कहा कि चंद्रचूड़ सरकार के प्रति 'अत्यधिक सम्मान की भावना' रखते थे। इन दिग्गजों से सर्व-मुख प्रश्न यही उठता है कि अगर अंततः सरकार की मंजूरी ही निर्णायक पहलू रहा, तो फिर कार्यपालिका एवं न्यायपालिका के बीच अलगाव के सिद्धांत का क्या हुआ ? और क्या इसे तथा न्यायपालिका की स्वतंत्रता का सम्पूर्ण नहीं माना जाएगा ? फिलहाल, दावा सिर्फ एक प्रधान न्यायाधीश के व्यवहार के बारे में किया गया है, लेकिन हालिया वर्षों में उच्चतर न्यायपालिका के संदर्भ में इससे मिले-जुले सवाल अक्सर उठते रहे हैं। ये प्रश्न खुद न्यायपालिका में खास भूमिका रखने वाली शक्तिशाली ने उठाए हैं। इन चर्चाओं ने कोर्ट की भूमिका को लेकर परिदृश्य को मटमैला कर दिया है। वर्तमान माननीय न्यायाधीशों को इस पर तुरंत गौर करना चाहिए, क्योंकि न्यायपालिका के साथ-साथ पूरी संवैधानिक व्यवस्था की साख दांव पर है।

भारत की कृषि गाथा का नया रूप: परिवर्तन का एक दशक

शिवराज सिंह चौहान

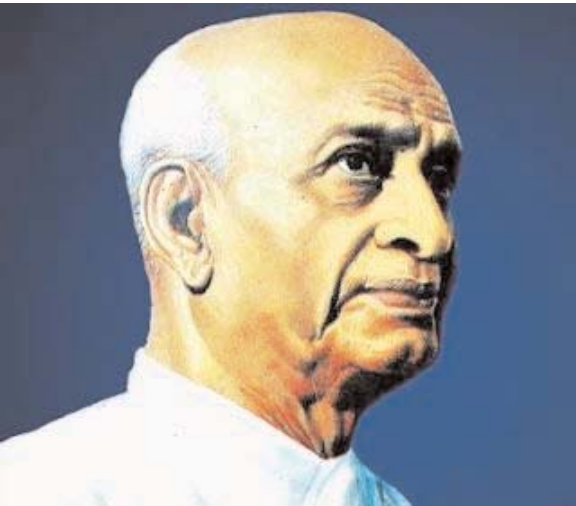
जब माननीय प्रधानमंत्री ने वर्ष 2014 में पदभार संभाला, तब कृषि और किसान कल्याण को भारत के विकास एजेंडे के केंद्र में रखा गया। वर्ष 2015 से यह प्रतिबद्धता उत्पादन और कृषि आय में सुधार से आगे बढ़कर कृषि क्षेत्र को अधिक उत्पादक, सुदृढ़, प्रौद्योगिकी-आधारित और टिकाऊ बनाने के व्यापक परिवर्तन में परिलक्षित हुई है। प्रधानमंत्री ने बार-बार इस बात पर बल दिया है कि विकसित भारत के लिए भारतीय कृषि का भी विकास होना चाहिए। उन्होंने यह भी आह्वान किया है कि भारत केवल अपनी खाद्य आवश्यकताओं की पूर्ति तक सीमित न रहे, बल्कि वैश्विक खाद्य आपूर्तिकर्ता के रूप में उभरे। लाल बहादुर शास्त्री के जय जवान, जय किसान और अटल बिहारी वाजपेयी के जय विज्ञान के आह्वान को आगे बढ़ाते हुए प्रधानमंत्री ने देश को अनुसंधान का मंत्र दिया। इस मंत्र के माध्यम से उन्होंने अनुसंधान और नवाचार को भारत की कृषि के भविष्य के केंद्र में स्थापित किया। ये शब्द केवल नीतिगत दिशा का संकेत्य नहीं थे, बल्कि एक व्यावहारिक दृष्टि के परिचायक थे, जिसकी सूर्यशर्मा और विवेक की पुष्टि एक दशक बाद सामने आए साक्ष्यों से स्पष्ट रूप से हुई।

खाद्य सुरक्षा से कृषि के नए प्रतिमान तक
यह विजन भारतीय कृषि को देखने के हमारे दृष्टिकोण में निर्णायक बदलाव का प्रतिनिधित्व करता है। होशियार क्रांति ने कृषि को खाद्य सुरक्षा प्रदान की। आज हमारी जिम्मेदारी परिवर्तित सुरक्षा, किसानों की समृद्धि, संसाधन सुरक्षा और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता की मजबूत नींव तैयार करना है। भारत की कृषि यात्रा उल्लेखनीय उपलब्धियों से भरी रही है। कभी खाद्य आयात पर निर्भर रहने वाला भारत कुछ ही दशकों में प्रमुख अनाजों के मामले में आत्मनिर्भर बन गया। हरित क्रांति की विज्ञान,

उनात बीजों, सिंचाई, बुनियादी ढांचे, संस्थागत ऋण, कृषि विस्तार सेवाओं और नीतिगत सहायता से गति मिली। इससे यह सिद्ध हुआ कि जल वैज्ञानिक क्षमता और राजनीतिक प्रतिबद्धता किसी राष्ट्रीय उद्देश्य के लिए एक साथ आती हैं, तो क्या कुछ अर्जित किया जा सकता है। लेकिन कृषि को अतीत की प्राथमिकताओं तक सीमित नहीं रखा जा सकता। किसानों की आकांक्षाएं बदल गई हैं, नागरिकों के उपयोग के तरी-तरीके बदल गए हैं, बाजार बदल गए हैं और जलवायु भी बदल रही है।

व्यापक आधार पर कृषि विकास का एक दशक
इसलिए वर्ष 2015 से जारी परिवर्तन महत्वपूर्ण हैं। वर्ष 1995-96 और 2014-15 को संरचनात्मक बदलाव के महत्वपूर्ण पड़ाव माना गया है, क्योंकि ये भारतीय कृषि के विकास के अलग-अलग चरणों को दर्शाते हैं। पहला चरण आर्थिक उदारीकरण के क्रमिक प्रभाव, बाजारों के साथ बढ़ते एकीकरण, बदलते उपयोग पैटर्न और अनाज उत्पादकता वृद्धि की धीमी गति को दर्शाता है। दूसरा चरण संचाई के विस्तार, डिजिटल प्लेटफॉर्म, बाजार सुधारों तथा स्थिरता और जलवायु अनुकूलन पर बड़े ध्यान से प्रेरित अधिक विविधीकृत, प्रौद्योगिकी-सक्षम और सुदृढ़ कृषि प्रणाली के उभार का संकेत देता है। कृषि विकास की औसत दर 1967-1995 के दौरान लगभग 2.7 प्रतिशत और 1996-2014 के दौरान लगभग 3.0 प्रतिशत थी। यह 2015-2025 के दौरान बढ़कर लगभग 4.5 प्रतिशत हो गई (खाद्यान्न उत्पादन में 8.4 मिलियन टन प्रतिवर्ष, फल एवं सब्जियों में 7.6 मिलियन टन प्रतिवर्ष तथा दूध में भी अच्छी वृद्धि दर्ज की गई। पिछले दो वर्षों में खाद्यान्न उत्पादन में असाधारण वृद्धि दर्ज की गई, जो प्रति वर्ष 22.1 मिलियन टन रही और पिछले वर्षों की तुलना में बहुत अधिक है। यह उपलब्धि

-स्वतंत्र भारत के निर्माता



प्राप्ता था। वीपी मेनन की सहायता से, अखंड भारत के हिस्से के रूप में इन रियासतों के विलय का कार्य शुरू हुआ। ग्वालियर, पटियाला, बीकानेर और कई अन्य रियासतें स्वेच्छ से देश में विलय हो गईं, लेकिन त्रावणकोर, हैदराबाद, जुनागढ़, भोपाल और कश्मीर जैसी रियासतें भारत में शामिल होने में हिचकिचा रही थीं। भीर-भीर ये रियासतें स्वेच्छ से बलपूर्वक देश में शामिल हो गईं। पटेल भारत के पहले उप प्रधानमंत्री और देश के पहले गृह मंत्री बने। पटेल उन गिने-चुने लोगों में से थे जिन्होंने डॉ. भीमराव अंबेडकर को संवैधानिक समिति में शामिल करने का सुझाव दिया था और जातिवाद पर आधारित कूटा के खिलाफ कानून बनाने की बात कही थी। सरदार पटेल ने भारतीय सिविल सेवा संहिता (भारतीय सिविल सेवा अधिनियम, 1861) में संशोधन करके भारत की नौकरशाही संरचना के अनुसार भारतीय प्रशासनिक सेवा का गठन किया। आज की रूढ़ि कल की कैरा जिला सहकारी दुग्ध उपकारक संघ लिमिटेड थी, और यह पटेल का ही विचार था जिन्होंने गुजरात के किसानों का मार्गदर्शन किया और उन्हें दूध प्रसंस्करण और बिक्री को संगठित करने के लिए प्रेरित किया। पटेल उन गिने-चुने लोगों में से थे जिन्होंने भारत के विभाजन का पुर्जोर समर्थन किया था। उनके अनुसार, जिन्ना को मुसलमानों का समर्थन प्राप्त था और यदि विभाजन नहीं होता तो हिंदू और मुसलमानों के बीच एक बड़ा गृहयुद्ध छिड़ जाता। यहां तक कि 562 रियासतें भी स्वतंत्र राष्ट्र का दर्जा मांग लें और एक राष्ट्र का गठन संभव नहीं हो पाता। गांधी जी के निधन के बाद देश की जिम्मेदारी नेहरू और पटेल के कंधों पर आ गई और दोनों ने अपनी-अपनी भूमिका बखूबी निभाई। पटेल को केंद्रीय मंत्रिमंडल मंत्री के रूप में देश की सेवा करने के लिए चार साल से भी कम का समय मिला, इससे पहले कि 1950 में उनका निधन हो गया,

लेकिन उन वर्षों में भी उन्होंने अथक परिश्रम किया। इस देश के लोहा, पुरुष, जो देश के लिए द्रवता से खड़े रहे, देश के सबसे महत्वपूर्ण स्तंभों में से एक, जिन्होंने विभिन्न राष्ट्रों को मिलकर एक राष्ट्र का निर्माण किया। 15 दिसंबर 1950 को हमें छोड़कर चले गए। पटेल के जीवित रहते चीन ने नै भी भारत को चुनौती देने की हिम्मत नहीं की; वास्तव में पटेल की मृत्यु के बाद चीन को भारत के खिलाफ युद्ध की घोषणा करने में बारह साल का प्रयास लगा। आज़ जब हम 1947 के उस दौर को याद करते हैं, जब दोनों राष्ट्र स्वतंत्र हुए थे, तो हमें उनमें व्यापक अंतर दिखाई देता है। भारत प्रगति की ओर अग्रसर है, वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान अभी भी अपने लोकतंत्र के अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रहा है। भारत उन प्रमुख देशों में से एक है जो संवेदनशील मुद्दों पर आसानी से विभाजित हो सकता था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ और न ही होगा, क्योंकि हम एकता के बंधन से बंधे हुए हैं। पटेल की 143^{वीं} जयंती पर, दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा बनवाने के अलावा हम उस राष्ट्र को क्या भेंट दे सकते हैं? कभी-कभी हम भूल जाते हैं कि उस सरदार के बिना भारत गणराज्य दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र नहीं होता। आज अगर हमारे देश में 29 राज्य और 7 केंद्र शासित प्रदेश हैं, तो भारत उस सरदार के बिना संभव नहीं होता। अगर हम अर्थव्यवस्था के मामले में सातवें स्थान पर हैं और क्षेत्रफल के हिसाब से भी सातवें स्थान पर हैं, तो यह सिर्फ उस सरदार की वजह से ही है। मेरे लिए तो वह प्रतिमा पटेल के योगदान के मुकाबले बहुत छोटी है, लेकिन आज वे 182 मीटर की ऊंचाई से अपने उस राष्ट्र को रक्षित सकते हैं जिसके लिए उन्होंने दिन-रात मेहनत की। इंदिरा कोल (जम्मू और कश्मीर) से लेकर केप कोमोरिन (गुजरात) तक अगर हम खुद को भारतीय कहते हैं, तो यह सिर्फ उस सरदार की वजह से ही है। अगर सरदार वल्लभभाई पटेल और वीपी मेनन ने इस देश को एक राष्ट्र में मिलाया होता, तो निश्चय रूप से आज हमें बहुत कुछ रण्यों में बंटे होता। एक राज्य से दूसरे राज्य में जाने के लिए, इन 562 राज्यों से बहने वाली नदियाँ या बांधों से पानी लेने के लिए हमें अनुमति लेनी पड़ती थी। पाकिस्तान और चीन बेखुश से इंतज़ार कर रहे थे और आज भी कर रहे हैं कि यह देश कब विभाजित होगा और कब वे अपने असीमित लालच को पूरा करेंगे।

सोवियत संघ के विभाजन के समय भी वह छोटा सा लाना था, वास्तव में उसके बिना वह शक्तिहीन है, भारत के साथ इसकी कल्पना कीजिए। जब अंग्रेजों ने देश का विभाजन किया, तो विभाजन भारत और पाकिस्तान के आधार पर हुआ था, रियासतों को दोनों में से किसी एक में शामिल होने या एकजुट रहने का विकल्प दिया गया था, लेकिन सरदार वल्लभभाई पटेल के योगदान के कारण ही हम एक राष्ट्र के रूप में रह रहे हैं। यदि भारत असंख्य धर्मों, जातियों, पंथों और भाषाओं वाला एक राष्ट्र होता, तो यह अपने आप में अविश्वसनीय है और यह उस लोहे पुरुष के कारण ही है। सरदार ने कहा था, "हमें आपसी करीबी, ऊँच-नीच के भेदों को त्यागकर समानता की भावना विकसित करनी होगी।"

किसान-केंद्रित विकास की व्यवस्था तैयार करना

भारत सरकार इस बदलाव के लिए महत्वपूर्ण आधार तैयार किया है। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना जल के कुशल उपयोग को बढ़ावा दे रही है। मृदा स्वास्थ्य कार्ड पहल ने मिट्टी की जांच और संपूर्णतः स्वस्थ तत्व प्रबंधन को कृषि संबंधी निर्णयों के केंद्र में रखा है। पीएम कृषुम कृषि को नवीकरणीय ऊर्जा से जोड़ रही है। किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) सामूहिक उपज-संग्रह और सोदेबाजी की क्षमता को बढ़ा दे रहे हैं। ई-नाम कृषि बाजारों को डिजिटल रूप से जोड़ रहे हैं, जबकि कृषि अवसररक्षा कोष, प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना और पीएमएफआईई फसल कटाई के बाद की अवसररक्षा और प्रसंस्करण को प्रज्वल कर रहे हैं। अब इन पहलों को बीज से मिट्टी तक, खेत से बाजार तक और प्रयोगशाला से आजीविका तक एकीकृत किसान-केंद्रित मूल्य श्रृंखला में समाहित करना होगा। इस परिवर्तन में प्रौद्योगिकी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होगी। भारतीय कृषि अनुसंधान अब केवल उपज बढ़ाने के लिए प्रारंभिक उद्देश्य तक सीमित नहीं है। वर्ष 2014 से 2025 के बीच किसानों की 3,236 किस्में जारी की गईं, जबकि 2003 से 2014 के दौरान यह संख्या 1,540 थी। हाल के वर्षों में जारी की गई किस्मों के अलावा हिस्से को जलवायु के प्रति अधिक सहिष्णु बनाने पर ध्यान दिया गया है और जैव-सुदृढ़ीकरण पर भी अधिक जोर दिया जा रहा है। इसलिए अगली कृषि क्रांति उत्कृष्टता, लचीलेपन और ज्ञान को क्रांति बनाती चाहिए। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रिमोट सेंसिंग, ड्रोन, जीनोमिक्स, जैव-प्रौद्योगिकी, डिजिटल परामर्श प्रणालियां और भौतिक प्रौद्योगिकियां किसानों को बुवाई, सिंचाई, पोषक तत्वों, कीटों, मौसम और बाजारों के बारे में बेहतर निर्णय लेने में मदद कर सकती हैं। डिजिटल कृषि पहल, एग्रीस्टैक और एआई-सक्षम परामर्श मंच कृषि सेवाओं को अधिक लक्षित और सुलभ बना सकते हैं। हालांकि, प्रौद्योगिकी तभी परिणाम देगी, जब वह किसान तक सरल, फिफायती और स्थानीय भाषाशैलीयताओं के अनुरूप पहुंचेगी।

वाराणसी से नागपुर और पटना तक के नतीजों से मजबूत किलों में झटकों ने छेड़ी नई सियासी बहस! खड़े किए बड़े सवाल!

मेघ राशि : आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आज आप किसी व्यक्ति विशेष के बारे में सोच कर रोमांचित रहेंगे। आज आपको कुछ नए अनुभव मिल सकते हैं। आज आपके लिए घर का सदस्य कुछ खरीद सकता है जिसे पाकर आप आनंदित होंगे।

वृष राशि : आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहने वाला है। आज आप-आस-पास के लोगों के लिए आपका व्यवहार अच्छा रहेगा, आपके अंदर नयी ऊर्जा का संचार होगा। आप आपको जो भी काम दिया जायेगा उसे आप अच्छे से करेंगे। बिजनेस में आपको मेहनत के अच्छे नतीजे हासिल होंगे। आज आपको अपने गुस्से पर कंट्रोल रखना होगा अन्यथा बना बनाया काम बिगड़ सकता है।

मिथुन राशि: आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज अ
 लोगों के मन में आपके प्रति सम्मान का भाव रहेगा यह देखकर गया क
 आपको खुशी होगी। आज आप घर के कामों में अपनी माँ की में लाप
 मदद करेंगे और भविष्य को लेकर आप बातचीत भी करेंगे। आज और म
 आप अपने कामों में जल्दबाजी दिखाने से बचेंगे तो आप समस्या म
 से बच जायेंगे। वाला है

कर्म राशि : आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला रहेगा।
 है। आप जानते हैं कि आपका काम मुश्किल नहीं है बस आपका बात भी
 हौसला कम हो गया है इसलिए आज किसी की सलाह मिलने से बिजनेस
 आपका हौसला बढ़ेगा और आप काम को बढ़िया तरीके से करेंगे। आपके
 नियंत्रण में सुधार करने के लिए जिन बातों में बदलाव करना है, रहेगा।
 वह स्पष्ट रूप से जानने की कोशिश करें। कं

सिंह राशि : आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज आपके परिवार में आपसी प्रेम रहेगा। प्रोफेशनल लाइफ में मामले स्पष्ट रहें। व्यापारिक दृष्टिकोण से आज सब कुछ ठीक रहेगा। आपको इनकम अच्छी रहेगी।

कन्या राशि: आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आपका जो उद्देश्य है, उससे जुड़े विचारों पर ध्यान देने का कोशिश करें। दुकानदारों के लिए आज का दिन फायदेमंद होगा। दो गुना कमाई होने के योग बन रहे हैं। संगीत में रझान वालों का आज इंडस्ट्री से गाने का ऑफर मिल सकता है। जिससे आपके मन को सुकून की प्राप्ति होगी।

तुला राशि : आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है।
 व्यापार में अपना उचित समय देना वातावरण को मधुर बनाकर
 आएगा। प्रेम प्रसंगों में मुलाकात करने के अवसर बनेंगे।
 एम्प्टिडिल एजाम का तैयारी स्टूडेंट्स को दौरान कठिन
 रितियाँ मिल सकती हैं, जिसे वह अपनी मेहनत और सूझबूझ से
 करने में सफल रहेंगे।

वृश्चिक राशि : आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज आप अपनी योग्यता व प्रतिभा द्वारा किसी विषम परिस्थिति का सामना करने में सक्षम रहेंगे। स्वयं का विकास करने के लिए समय अनुसार अपने संभाव्य में थोड़ा स्वार्थी होना भी जरूरी है। विद्यार्थियों का पढ़न-पाठन में उचित समय व्यतीत होगा।

धनु राशि : आका दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है।
आज ऑफिस में वर्कलोड बढ़ सकता है लेकिन आपके द्वारा किया
गया काम आपके बॉस को इम्प्रेस करेगा। रुपए-पैसें के मामले
में लाभवाही नहीं करेंगे तो पुस्तान से बच जायेंगे। दूर-ट्रेवल्स
और मीडिया संबंधि ब्रिजेनेस में मो मोड आ सकता है।

मकर राशि : आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज आपका पूरा ध्यान अपने कार्य में सुधार करने में रहेगा आज बच्चे आपने माता पिता का ज्यादा ध्यान रखेंगे और बात भी मानेंगे। उधार दिया हुआ पैसा वापस मिलेगा साथ ही आज विजनेस में बड़ी सफलता हाथ लग सकती है। आज का दिन आपके लिए किसी संपत्ति संबंधित मामले में जीत दिलाने वाला रहेगा।	नतीजों की उत्तर प्रदेश मतदान हुआ मतदान 29 अक्टूबर की। मजि
---	---

कुंभ राशि : आज का दिन आपके लिए खास होने वाला है। आज दिन भर भागा-दौड़ी की स्थिति रहेगी। कुछ समय आध्यात्मिक गतिविधियों में भी व्यतीत करने से मानसिक सुकून मिलेगा। आर्थिक मामलों में बजट का खास ध्यान रखें, उधार लेने की स्थिति से बचें।

मीन राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है।	समीकरणां
आज बड़ों का आशीर्वाद मिलेगा जिससे आपकी सकारात्मकता बढ़ेगी। आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। आज घर में शुभ समाचार मिलने का सम्भावना होगी, साथ ही दाम्पत्य जीवन खुशहाल रहेगा। धार्मिक कार्य में आपकी इच्छा बढ़ेगी, आज आप सत्संग करवा सकते हैं, घर में उत्सव का माहौल होगा।	साथिचर्या से अनुभव के अनेक भाग्यदारी हैं शिक्षक

फोटो किशन सनमुखदास भावनानी

माध्यम भी हैं। यहाँ लोकसभा और विधानसभा के चुनावों में आम मतदाता अपने प्रतिनिधियों को चुनते हैं, जबकि विधान परिषद की कुछ सीटों पर शिक्षक, स्नातक स्थायी निकायों के प्रतिनिधि तथा राज्यपाल द्वारा मनोनीत सदस्य जैसे अलग-अलग वर्गों को प्रतिनिधित्व मिलता है। राज्यसभा के माध्यमसे राज्यों का प्रतिनिधित्व संसद के उच्च सदन में होता है। मैं एडवोकेट किशन समनुमदास मानवानाई गोंदिया महाराष्ट्र बताना चाहूँगा कि इस बहुस्तरीय व्यवस्था का मूल उद्देश्य यही है कि लोकतंत्र में केवल संख्या ही नहीं, बल्कि विभिन्न समाजिक, शैक्षणिक और संस्थागत अनुभवों की आवाज़ भी सुना जाए किशोक 29 अक्टूबर 2026 को शिक्षक और स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों से आए नतीजों का विश्लेषण हमें इसपर है कि इनमें मतदाता बनने के लिए धारित पात्रता और पंजीकरण की प्रक्रिया पूरी करनी होती है। ऐसे मतदाताओं से शिक्षा, रोजगार, प्रशासन, नागरिक सेवाओं और विकास संबंधी मुद्दों पर विचार करने की अपेक्षा की जाती है हालाँकि, किसी मतदाता की शैक्षणिक योग्यता अपने आप में उसके नागरिकता के विवेक की गारंटी नहीं होती; लोकतंत्र की असली ताकत स्वतंत्र निर्णय, जागरूकता और निष्पक्ष मतदान में सीटीका से निहित है।

साथियों' बात अगर हम 23 अक्टूबर का मतदान, 29 अक्टूबर 2026 को आए नतीजों की चर्चा कर इसको समझने की करें तो, 23 अक्टूबर 2026 को चार राज्यों उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार और कर्नाटक में विधान परिषद की 28 सीटों के लिए मतदान हुआ इस चुनावों में शिक्षक और स्नातक निर्वाचन क्षेत्र शामिल थे तथा मतदान मतपत्रों के माध्यम से कराया गया मतगणना कई जगह लंबी चली और 29 अक्टूबर को सामने आए नतीजों ने राष्ट्रीय राजनीतिक विमर्श में जगह बना ली। मीडिया में आई रिपोर्ट के अनुसार, 28 सीटों में भाजपा ने 13 सीटें जीतीं, जबकि समाजवादी पार्टी ने उत्तर प्रदेश में अपनी स्थिति मजबूत की और जनता पार्टी ने बिहार में विधान परिषद में अपना खाता खोला इस चुनाव में एनडीए के कुल 16 सीटें जीतने का आंकड़ा भी राजनीतिक चर्चा में सामने आया है, लेकिन भाजपा और उसके सहयोगियों के परिणामों को अलग- अलग समझना आवश्यक है। सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न केवल यह नहीं है कि किस गठबंधन नेकतनी सीटों जीतीं, बल्कि यह भी है कि किस क्षेत्रों में मतदाताओं ने स्थापित राजनीतिक परिमेकरणों से अलग फैसला सुनाया।

साथियों, मेरे लिए भी यह चुनाव व्यक्तिगत रूप से लोकतांत्रिक सहभागिता का अनुभव रहा, क्योंकि मैंने 23 अक्टूबर 2026 को स्नातक मतदाता निर्वाचन क्षेत्र में अपना मतदाधिकार का प्रयोग किया। मतदान केंद्र पर अन्य मतदाताओं की सक्रिय भागीदारी देखकर यह महसूस हुआ कि लोकतांत्रिक प्रत्येक मत का अपना महत्व है। शिक्षक और स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान करने वाला प्रत्येक नागरिक

अपनी प्राथमिकताओं के आधार पर उम्मीदवार का चयन करता है इसलिए इन नतीजों को केवल राजनीतिक दलों की जीत-हार के चरम से नहीं, बल्कि मतदाता की अपेक्षाओं, स्थानीय समस्याओं, उम्मीदवार की पहुंच और संगठनात्मक सक्रियता के संदर्भ में भी सटिका से देखना चाहिए।

साथियों बात अगर हम कांग्रेस नेत्री का वायरल वीडियो और 'गढ़ ध्वस्त' होने का दावा इसको समझने की करें तो 29 अक्टूबर को सोशल मीडिया पर कांग्रेस की एक नेत्री और प्रवक्ता का वीडियो चर्चा में आया, जिसमें भाजपा नेत्री हार को लेकर तर्की राजनीतिक टिप्पणी का वीडियो चर्चा में काथित तौर पर कहा गया कि बैसेट से चुनाव होने पर भाजपा के गढ़ ढह गए और बड़े नेताओं के क्षेत्रों में पार्टी को झटके लगे। इस बयान को विपक्ष की राजनीतिक प्रतिक्रिया के रूप में देखना उचित होगा, न कि पूरे चुनाव का निष्पक्ष निष्कर्ष मान लेना। चुनाव परिणामों की व्याख्या में विपक्ष अपनी बात रखेगा और सत्तारूढ़ दल अपने उपलब्धियों तथा जीती गई सीटों को सामने रखेगा। लोकतांत्रिक विमर्श में दोनों पक्षों के दावों का वास्तविक परिणामों और निर्वाचन क्षेत्र के आंकड़ों की कसौटी पर परखना आवश्यक है। मतपत्रों से मतदान होना अपने आप में किसी दल की हार या जीत का कारण सिद्ध नहीं करता; मतदान प्रणाली और परिणाम के बीच संबंध स्थापित करने के लिए ठोस प्रमाण चाहिए। इस चुनाव का वास्तविक संदेश स्थानीय स्तर पर मतदाताओं के बदलते रुझान, उम्मीदवारों की स्वीकार्यता और राजनीतिक दलों की जमीनी तैयारी में वलशाना अधिक सार्थक होगा।

साथियों बात अगर हम वाराणसी-प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र में सपा की सफलता का राजनीतिक अर्थ को समझने की करें तो, वाराणसी का परिणाम इसलिए विशेष चर्चा में है क्योंकि प्रधानमंत्री इसी लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। उत्तर प्रदेश में 2027 में विधानसभा चुनाव होने हैं, इसलिए यहां के विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों को राजनीतिक दल अपने संगठन और स्थानीय जनता की स्थिति को समझने के अवसर के रूप में देख सकते हैं। समाजवादी पार्टी ने वाराणसी की शिक्षक और स्नातक, दोनों सीटों पर सफलता हासिल की। उत्तर प्रदेश की घोषित सीटों के परिणामों में भाजपा ने छह और सपा ने पांच सीटें जीतीं। यह नतीजा भाजपा के लिए स्थानीय स्तर पर आत्ममंथन का विषय हो सकता है, लेकिन इसे प्रधानमंत्री के प्रति पूरे देश के मतदाताओं को रुख का प्रमाण मानना उचित नहीं होगा। वाराणसी संभाग के राजनीतिक महत्व को समझने के लिए इसके आठ जिलों—वाराणसी, जौनपुर, गाजीपुर, बलिया, चंदौली, भदोही, मिर्जापुर और सोनभद्र, को सामाजिक एवं राजनीतिक विविधता पर ध्यान देना होगा। इन जिलों में जातीय असमानिकरण स्थानीय नेतृत्व, शिक्षकों की समस्याएं, रोजगार शिक्षा व्यवस्था, ग्रामीण विकास और सरकारी सेवाओं से जुड़ी अपेक्षाएं—अलग-अलग प्रभाव डाल सकती हैं।

शनिवार 31 अक्टूबर 2026, नर्मदापुरम् (होशंगाबाद)

इजरायल में वोटों की 100 प्रतिशत गिनती पूरी, नेतन्याहू गुट आगे लेकिन बहुमत से दूर

यरूशलम (आरएनएस)। इजरायल में संसदीय चुनाव के लिए हुए मतदान की गिनती खत्म हो चुकी है। चुनाव में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का दक्षिणपंथी गुट 53 सीटों के साथ आगे है, लेकिन बहुमत की 61 सीटों से दूर है। नेतन्याहू के प्रतिद्वंद्वी गादी आइजनकोट के गुट को 48 सीटें मिली हैं और अरब पार्टियों को 19 सीटें मिली हैं। अब अरब पार्टियों के सहयोग से इजरायल में नई सरकार बनने की संभावना है। इसके लिए पार्टियों के बीच बैठक शुरू हो गई है।केंद्रीय चुनाव समिति ने शुक्रवार सुबह संसदीय चुनाव के अंतिम परिणाम जारी कर दिया और कहा कि अब गलतियां और शिकायत ली जाएंगी। समिति ने बताया कि गलतियों या शिकायतों की आखिरी जांच पूरी करने के बाद, बुधवार 4 नवंबर को राष्ट्रपति आइज़ेक हर्जोंग को पूरे आधिकारिक नतीजे दिखाए जाएंगे।समिति ने बताया कि नेसट की 120 सीटों के लिए 57 लाख वोट पड़े थे, जो कुल मतदान का 77.9 प्रतिशत है। यह दशकों में उच्चतम आंकड़ा है।अंतिम परिणाम के मुताबिक, नेतन्याहू की लिकुड को 27 सीटें मिली हैं। उनके गुट में शामिल दक्षिणपंथी शास पार्टी को 6, यूनाइटेड तोराह जुडाइज्म को 7, ओल्जमा येहूदित को 7 और रिलिजियस जियोनिज्म को 6 सीटें मिली हैं।आइजनकोट की याशर पार्टी को 21 सीटें मिली हैं। उनके गुट में शामिल बी' याचद को 12, डेमोक्रेट्स को 8 और विसराइल बेयेनेतु को 7 सीटें मिली हैं।अरब पार्टियों में शामिल जॉइंट लिस्ट को 11 और रा'आम को 8 सीटें मिली हैं।

अमेरिका के बर्खास्त शीर्ष जनरल ने कबूला, ईरान और यूक्रेन युद्ध की गुप्त जानकारी लीक की

वाशिंगटन,(आरएनएस)। अमेरिका के युद्ध सचिव (पूर्व में रक्षा सचिव) पीट हेगसेथ ने एक दिन पहले पेंटागन के जिस शीर्ष सैन्य रणनीतिकार लेफिटनेंट जनरल ब्रेट सिल्विया को बर्खास्त किया था, उन्होंने ईरान और यूक्रेन युद्ध की गुप्त जानकारी ली की थी।

सूत्रों ने बताया कि जांच की आंतरिक रिपोर्ट के मुताबिक, सिल्विया ने माना है कि उन्होंने एक साल में अलग-अलग मीडिया आउटलेट्स के 2 रिपोर्टरों को यूक्रेन और ईरान के बारे में कुछ विशेष जानकारी दी थी।

रिपोर्ट में अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि सिल्विया जानकारियों को जून 2025 की शुरुआत से ही लीक कर रहे थे।

बताया गया कि पेंटागन से हटाए जाने से पहले और उसके बाद भी सिक्थोर सिग्नल ऐप के जरिए बातचीत होती रही और वे वर्जीनिया के आर्लिंगटन में मिले।

रिपोर्ट की पेंटागन तक पहुंच को रोक दिए जाने के कारण वे रेस्तरां में मिल रहे थे। इस बैठक में सिल्विया ने यूक्रेन को अमेरिकी की मदद की रिपोर्ट दी थी।

रिपोर्ट के मुताबिक, सिल्विया जिस रिपोर्टर से बात कर रहे थे, वह एक किताब लिख रहा था और दोनों के बीच 2 बार मुलाकात हुई थी।

इसमें इस बात पर भी जोर दिया गया कि जनरल ने इन बैठकों को पेंटागन के लोक मामलों के कार्यालय के साथ साझा नहीं किया और न ही रिपोर्टर को जानकारी देने से पहले उसकी समीक्षा की।

अधिकारियों को शक है कि सिल्विया ने जानबूझकर कर सिग्नल पर हुई बातचीत हटाई।

विदेश समाचार

रुस की तेल रिफाइनरी पर यूक्रेन का बड़ा ड्रोन हमला, आसमान में उठा धुएं का गुबार; ट्रंप का दबाव भी बेअसर

माँस्को, (आरएनएस)। यूक्रेन ने शुक्रवार, 30 अक्टूबर की सुबह रूस के समारा क्षेत्र में स्थित नोवोकुइबिश्स्क तेल रिफाइनरी को ड्रोन से निशाना बनाया। हमले के बाद रिफाइनरी परिसर में आग लगने और आसमान में धुएं के गुबार उठने की खबर है। इस हमले को रूसी तेल शोधन केंद्रों पर यूक्रेन की ओर से की जा रही कार्रवाई में कथित विराम के बाद नए हमले के रूप में देखा जा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दबाव के बाद यूक्रेन की सेना ने अक्टूबर के मध्य में रूसी तेल रिफाइनरियों को निशाना बनाने वाले अभियानों पर अनौपचारिक रोक लगाई थी। हालांकि, इस विराम और उसके कारणों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है।

अमेरिकी सेना 1950-1953 के बाद फिर खोद रही सामूहिक कब्रें, 24 घंटे में 2,400 सैनिकों को दफनाने की तैयारी

वाशिंगटन (आरएनएस)। ईरान के साथ जारी युद्ध और बढ़ते अंतरराष्ट्रीय तनाव के बीच अमेरिकी सेना ने बड़े पैमाने पर सैनिकों की मौत होने की स्थिति से निपटने के लिए सामूहिक कब्रें खोदने का अभ्यास शुरू किया है। इस अभ्यास के तहत सेना के इंजीनियर, चिकित्सा दल और सुविधा प्रबंधन से जुड़े विशेषज्ञ युद्ध के मैदान में अस्थायी कब्रें तैयार करने का प्रशिक्षण ले रहे हैं। इसके लिए बुलडोजर सहित भारी मशीनों का इस्तेमाल किया जा रहा है, ताकि कम समय में बड़ी संख्या में शवों को दफनाने की व्यवस्था की जा सके।

रिपोर्ट के अनुसार, उत्तरी कैरोलिना स्थित फोर्ट ब्रैग में चल रहे इस अभ्यास का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि युद्ध जैसी आपात स्थिति में सैनिकों को बड़ी संख्या में मौत होने पर उनके शवों को अस्थायी रूप से सुरक्षित दफनाया जा सके। साथ ही शवों की पहचान करने और बाद में उनके अवशेष परिजनों को सौंपने की व्यवस्था भी बनी रही है।

अभ्यास के दौरान 20 सैनिकों के शवों को दफनाने के लिए एक सामूहिक कब्र खोदने में लगभग 75 मिनट का समय लग रहा है। सेना इस प्रशिक्षण के माध्यम से 24 घंटे में 2,400 सैनिकों को दफनाने की क्षमता विकसित करने पर काम कर रही है। इसके लिए भारी मशीनों और विशेष उपकरणों की मदद ली जा रही है।

अमेरिकी सेना ने बताया कि कोरियाई युद्ध



यूक्रेनी मीडिया और स्थानीय निगरानी माध्यमों की रिपोर्ट के अनुसार, नोवोकुइबिश्स्क रिफाइनरी में ड्रोन हमले के बाद आग लगी। सामाजिक माध्यमों पर साझा किए गए चित्रों और वीडियो में रिफाइनरी के आसपास धुएं के बड़े गुबार दिखाई दे रहे हैं। स्थानीय लोगों ने विस्फोटों की आवाज सुनने और क्षेत्र में वायु



(1950–1953) के बाद से देश को इतने बड़े पैमाने पर अस्थायी कब्रों की व्यवस्था करने की आवश्यकता नहीं पड़ी है। कोरियाई युद्ध के दौरान लगभग 37 हजार अमेरिकी सैनिक मारे गए थे। उस युद्ध के बाद यह पहली बार है, जब अमेरिकी सेना इस तरह के व्यापक स्तर पर सामूहिक दफन की तैयारी का अभ्यास कर रही है।

अमेरिका ने इराक और अफगानिस्तान में हुए सैन्य अभियानों के दौरान बड़े पैमाने पर अस्थायी कब्रें नहीं खोदी थीं। उन युद्धों में मारे गए अमेरिकी सैनिकों के शवों को शीघ्र ही स्वदेश वापस लाया गया था। अमेरिका की नीति युद्ध में मारे गए सैनिकों के शवों को उनके देश वापस लाने की रही है, लेकिन बड़े पैमाने पर जनहानि की स्थिति में अस्थायी दफन की व्यवस्था को भी आवश्यक

रक्षा गतिविधियां देखे जाने की जानकारी दी। रूसी अधिकारियों की ओर से नुकसान की पूरी जानकारी तत्काल सामने नहीं आई थी। रिपोर्ट के अनुसार, सूत्रों ने अधिकारियों के हवाले से बताया था कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दबाव के बाद यूक्रेन की लंबी दूरी तक हमला करने वाली सैन्य इकाइयों को रूसी तेल रिफाइनरियों पर नए हमले रोकने के निर्देश दिए गए थे। अक्टूबर के मध्य में जारी इन निर्देशों के मुताबिक, पहले से जारी अभियानों को पूरा करने के बाद रिफाइनरियों को निशाना बनाने की कार्रवाई रोक दी जानी थी।

रिपोर्ट में कहा गया था कि यह अनौपचारिक विराम अमेरिका के मध्यावधि चुनावों के बाद तक

दैनिक क्षितिज किरण 6

रक्षा गतिविधियां देखे जाने की जानकारी दी। रूसी अधिकारियों की ओर से नुकसान की पूरी जानकारी तत्काल सामने नहीं आई थी। रिपोर्ट के अनुसार, सूत्रों ने अधिकारियों के हवाले से बताया था कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दबाव के बाद यूक्रेन की लंबी दूरी तक हमला करने वाली सैन्य इकाइयों को रूसी तेल रिफाइनरियों पर नए हमले रोकने के निर्देश दिए गए थे। अक्टूबर के मध्य में जारी इन निर्देशों के मुताबिक, पहले से जारी अभियानों को पूरा करने के बाद रिफाइनरियों को निशाना बनाने की कार्रवाई रोक दी जानी थी।

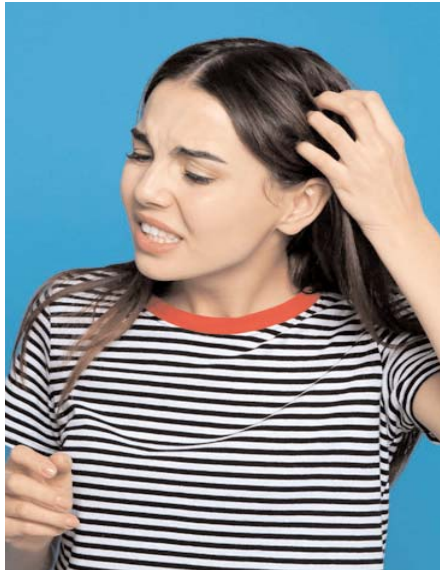
रिपोर्ट में कहा गया था कि यह अनौपचारिक विराम अमेरिका के मध्यावधि चुनावों के बाद तक जारी रह सकता है और नवंबर के दूसरे हिस्से तक बढ़ाया जा सकता है। हालांकि, यूक्रेन सरकार ने आधिकारिक तौर पर रिफाइनरियों पर हमले रोकने की घोषणा नहीं की थी। रॉयटर्स ने भी इस रिपोर्ट की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की थी।नोवोकुइबिश्स्क तेल रिफाइनरी रूस की सरकारी तेल कंपनी रोसनेफ्ट के स्वामित्व में है। इस संयंत्र में सालाना करीब 88 लाख मीट्रिक टन कच्चे तेल के प्रसंस्करण की क्षमता है। यहां पेट्रोल, डीजल, विमान ईंधन, स्नेहक और अन्य पेट्रोलियम उत्पाद तैयार किए जाते हैं। यह संयंत्र रूसी सैन्य विमानों के लिए विमान ईंधन की आपूर्ति से भी जुड़ा है।इस रिफाइनरी को इससे पहले भी यूक्रेनी ड्रोन हमलों में निशाना बनाया जा चुका है।

कश्मीरियों का हक मांगना पड़ा भारी? ब्रिटिश नेता को पाकिस्तान ने नो-फ्लाई लिस्ट में डालकर एयरपोर्ट पर रोका



इस्लामाबाद (आरएनएस)। ब्रिटेन की लेबर पार्टी के वरिष्ठ नेता और रोचडेल बोरो कार्डसिल के डिप्टी लीडर दालत अली को पाकिस्तान में उस समय बड़ा झटका लगा, जब अधिकारियों ने उन्हें लाहौर एयरपोर्ट पर ब्रिटेन लौटने वाली फ्लाइट में चढ़ने से रोक दिया। पाकिस्तानी अधिकारियों ने दालत अली का नाम संघीय जांच एजेंसी (FIA) की ‘इमिग्रेशन कंट्रोल लिस्ट’ (नो-फ्लाई डेटाबेस) में दर्ज होने का हवाला देकर देश छोड़ने की अनुमति नहीं दी। इससे पहले अक्टूबर के मध्य में भी इस्लामाबाद एयरपोर्ट पर उतरते ही उन्हें हिरासत में लेकर घंटों पृष्ठताछ की गई थी। दालत अली के समर्थकों और कार्डसिल का दावा है कि पाक अधिकृत कश्मीर (POK) में पाकिस्तान की दमनकारी नीतियों के खिलाफ उनके निजी रख और कश्मीरी अधिकारों के अभियान के चलते उन्हें निशाना बनाया जा रहा है। दालत अली रोचडेल के सांकेतिक मेयर फैसल राणा के नेतृत्व में एक आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल के हिस्से के रूप में पाकिस्तान के पंजाब प्रांत स्थित साहीवाल पहुंचे थे। वर्ष 1998 से ही साहीवाल और रोचडेल आपस में ‘ट्रिवन सिटी’ (जुड़वां शहर) के रूप में जुड़े हैं। यात्रा पूरी करने के बाद 28 अक्टूबर को जब वे लाहौर एयरपोर्ट से ब्रिटेन के लिए रवाना होने लगे, तो आब्रजन अधिकारियों ने उन्हें बोर्डिंग से रोक दिया।

सिर की खुजली से परेशान हैं? इन 5 प्राकृतिक तरीकों से पाएं राहत



सिर की खुजली एक आम समस्या है, जो कई लोगों को परेशान करती है। यह समस्या सिर में खुजली, जलन और कभी-कभी त्वचा पर लालिमा भी ला सकती है। इसके कई कारण हो सकते हैं, जैसे कि रूसी, गंदगी का जमा होना या एलर्जी। इस लेख में हम आपको कुछ प्राकृतिक उपाय बताएंगे, जिनसे आप अपनी सिर की खुजली का इलाज कर सकते हैं और राहत पा सकते हैं।

नारियल तेल का उपयोग करें

नारियल तेल एक प्राकृतिक नमी देने वाला है, जो आपके सिर को नमी प्रदान करता है और खुजली को कम करता है।इसे उपयोग करने के लिए थोड़े-से नारियल तेल को हल्का गर्म करें और फिर इसे अपने सिर पर अच्छी तरह लगाएं। 30 मिनट तक मसाज करने के बाद इसे कुछ घंटों के लिए छोड़ दें, फिर सामान्य शैंपू से धो लें। यह प्रक्रिया हफ्ते में 2 बार करें ताकि आपको जल्द राहत मिले।

एलोवेरा जेल लगाएं

एलोवेरा जेल में ठंडक देने वाले गुण होते हैं, जो खुजली वाले सिर को आराम पहुंचाते हैं। इसके लिए ताजे एलोवेरा पत्ते से जेल निकालें और इसे अपने सिर पर लगाएं। 15-20 मिनट तक छोड़ने के बाद इसे पानी से धो लें।यह उपाय आपके सिर की त्वचा को ठंडक देगा और खुजली को कम करेगा। एलोवेरा जेल का नियमित उपयोग आपके सिर को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करेगा।

नीम का तेल लगाएं

नीम का तेल कीटाणु नाशक और फंगल संक्रमण को रोकने वाले गुणों से भरपूर होता है, जो रूसी और खुजली का कारण बन सकते हैं।इसे उपयोग करने के लिए नीम के तेल को नारियल तेल के साथ मिलाकर

हल्का गर्म करें, फिर इसे अपने सिर पर लगाएं और मसाज करें। 30 मिनट तक छोड़ने के बाद इसे पानी से धो लें। यह उपाय हफ्ते में 1 बार करें ताकि आपको जल्द राहत मिले।

दही का मास्क लगाएं

दही में ऐसे तत्व होते हैं, जो आपके सिर की त्वचा को पोषण देते हैं और खुजली को कम करते हैं। इसके लिए थोड़ी दही लें और उसमें नींबू का रस मिलाएं, फिर इसे अपने सिर पर लगाएं और 20 मिनट तक सूखने दें। सूखने के बाद इसे पानी से धो लें। यह उपाय हफ्ते में 2 बार करें ताकि आपको जल्द राहत मिले। दही का नियमित उपयोग आपके सिर को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करेगा।

सेब का सिरका लगाएं

सेब का सिरका आपके सिर के संतुलन को बनाए रखता है, जिससे खुजली कम होती है। इसके लिए एक कप पानी में 2 चम्मच सेब का सिरका मिलाएं, फिर इसे अपने सिर पर स्प्रे करें और हल्का मसाज करें। 5–10 मिनट तक छोड़ने के बाद इसे पानी से धो लें।यह उपाय हफ्ते में 1 बार करें ताकि आपको जल्द राहत मिले। इन सभी उपायों का नियमित उपयोग करके आप अपनी खुजली वाले सिर का इलाज कर सकते हैं।



शरीर को गलत या कठोर नजरिए से देखना चुनते हैं तो ये उनकी अपनी सोच है। इसे जानकारी की कमी नहीं कहा जा सकता, क्योंकि आज के समय में हर जगह इस बारे में पूरी जानकारी मौजूद है।

कैटरिना अपनी फिटनेस को लेकर पूरी तरह सजग और जागरूक हैं।

उन्होंने कहा, मैं पुरानी स्थिति में लौटने के बजाय जिंदगी में आगे बढ़ चुकी हूं। मां बनने के बाद जब मैंने अपने बेटे विहान को देखा तो वो पल बेहद खास था। वही पल मुझे एहसास दिलाता है कि मेरेऔर विकी कौशल के 4 साल के उतार-चढ़ाव भर सफर का खूबसूरत नतीजा अब मेरे सामने है, इसलिए मैं किसी दबाव के बिना अपनी गति से आगे बढ़ रही हूं।

कैटरिना ने कहा, मैं अच्छी तरह जानती हूँ कि मेरा शरीर कब सबसे ज्यादा ऊर्जवान महसूस करता है। मैं अपनी रफ्तार से वहां पहुंचूंगी। महिला के शरीर और उसकी प्राकृतिक

अंबानी परिवार के गणपति उत्सव में पति विकी कौशल संग पहुंचीं कैटरिना कैफ को मां बनने के बाद बड़े वजन के लिए सोशल मीडिया पर काफी ट्रोल किया गया था। अब आखिरकार कैटरिना ने इस पर चुप्पी तोड़ी है। एक इंटरव्यू में ट्रोलर्स को करारा जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि लोग अक्सर दूसरों की राय में बह जाते हैं। हालांकि, वो इन सब बातों से बेअसर हैं और अपनी जिंदगी के इस खूबसूरत दौर पर ध्यान दे रही हैं।

कैटरिना ने अपने बड़े हुए वजन पर ट्रोल करने वालों को कहा, हर किसी को पता होता है कि मां बनने के बाद महिला के शरीर में किस तरह के बदलाव आते हैं, इसके बावजूद अगर लोग किसी के शरीर को गलत या कठोर नजरिए से देखना चुनते हैं तो ये उनकी अपनी सोच है। इसे जानकारी की कमी नहीं कहा जा सकता, क्योंकि आज के समय में हर जगह इस बारे में पूरी जानकारी मौजूद है।

उन्होंने कहा, मैं पुरानी स्थिति में लौटने के बजाय जिंदगी में आगे बढ़ चुकी हूं। मां बनने के बाद जब मैंने अपने बेटे विहान को देखा तो वो पल बेहद खास था। वही पल मुझे एहसास दिलाता है कि मेरेऔर विकी कौशल के 4 साल के उतार-चढ़ाव भर सफर का खूबसूरत नतीजा अब मेरे सामने है, इसलिए मैं किसी दबाव के बिना अपनी गति से आगे बढ़ रही हूं।

कैटरिना ने कहा, मैं अच्छी तरह जानती हूँ कि मेरा शरीर कब सबसे ज्यादा ऊर्जवान महसूस करता है। मैं अपनी रफ्तार से वहां पहुंचूंगी। महिला के शरीर और उसकी प्राकृतिक

त्योहारों के मौसम में इन 5 घरेलू उपकरणों को साफ करने के लिए अपनाएं ये तरीके

त्योहारों का मौसम नजदीक है और ऐसे में हर कोई अपने घर को साफ-सुथरा रखने के लिए तरह-तरह के उपाय आजमा रहा है, खासकर जब बात घरेलू उपकरणों की आती है तो कई लोग उन्हें साफ करने के लिए महंगे क्लीनिंग प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन आप चाहें तो घरेलू उपकरणों को महंगे क्लीनिंग प्रोडक्ट्स के बिना भी साफ कर सकते हैं। आएँ आज हम आपको घरेलू उपकरणों की सफाई के लिए इस्तेमाल होने वाले घरेलू तरीके बताते हैं।

माइक्रोवेव को साफ करने का तरीका

माइक्रोवेव की सफाई के लिए एक कटोरी में पानी और नींबू के रस की बराबर मात्रा मिलाएं, फिर इस मिश्रण को माइक्रोवेव में रखकर उसे चालू कर दें। 5 मिनट के बाद माइक्रोवेव को बंद कर दें।

जब पानी भाप बनकर गैस के कणों को ढीला कर दे तो माइक्रोवेव के अंदर के हिस्से को साफ करने के लिए एक सूती कपड़े का इस्तेमाल करें। इससे माइक्रोवेव के अंदर की सफाई हो जाएगी।

फ्रिज की सफाई भी है जरूरी

फ्रिज की सफाई के लिए आप सफेद सिरके का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले एक स्प्रे बोतल में बराबर मात्रा में पानी और सफेद सिरके डालकर अच्छे से मिलाएं, फिर इस मिश्रण को फ्रिज के अंदर छिड़ककर कुछ देर के लिए छोड़ दें।

थोड़ी देर बाद एक साफ कपड़े से फ्रिज के अंदर के हिस्से को पोंछ लें। इससे फ्रिज की सफाई हो जाएगी और बबबू भी दूर हो जाएगी।



ओवन को ऐसे करें साफ

ओवन की सफाई के लिए पानी और बेकिंग सोडा के घोल का इस्तेमाल करें।इसके लिए एक कप पानी में 2 बड़ी चम्मच बेकिंग सोडा मिलाएं। अब इस घोल को ओवन के अंदर छिड़कें और कुछ देर के लिए छोड़ दें, फिर एक सूती कपड़े से ओवन को पोंछ लें।इससे ओवन की गंदगी दूर हो जाएगी। आप चाहें तो सफेद सिरके का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

ब्लेंडर की सफाई का तरीका

सबसे पहले ब्लेंडर की जार में गर्म पानी और थोड़ी मात्रा में सफेद सिरका डालें। इसके बाद ब्लेंडर को चालू करके 5-10 मिनट के लिए चलाएं। समय पूरा होने के बाद ब्लेंडर को बंद कर दें और इसे पानी से धो लें।

इसके बाद एक सूती कपड़े से ब्लेंडर को पोंछ लें। इस तरह से ब्लेंडर की सफाई आसानी से हो जाएगी और यह लंबे समय तक चलेगा।

वाँशिंग मशीन को ऐसे करें साफ

वाँशिंग मशीन की सफाई के लिए सबसे पहले वाँशिंग मशीन के ड्रम में सफेद सिरके और पानी का घोल बनाकर डालें, फिर वाँशिंग मशीन को चालू करके घोल को थोड़ी देर चलाएं।

इसके बाद वाँशिंग मशीन को बंद करके 2-3 घंटे के लिए छोड़ दें। समय पूरा होने के बाद वाँशिंग मशीन को पानी से धो लें। इससे वाँशिंग मशीन की गंदगी दूर हो जाएगी और यह लंबे समय तक चलेगी।

शनिवार 31 अक्टूबर 2026,नर्मदापुरम् (होशंगाबाद)

छत्तीसगढ़ समाचार

चक्रवात अर्णब का कहर: 30 प्रतिशत रकबे में धान की फसल हुई धराशायी, किसानों की बड़ी चिंता

कोरबा, (आरएनएस)। चक्रवात अर्णब के प्रभाव से जिले में मौसम का मिजाज बिगड़ा हुआ है। दो दिनों से जारी बारिश और तेज हवाओं ने खेती-किसानी पर प्रतिकूल असर पड़ा है। खेतों में पकने की कगार पर पहुंच चुकी धान की फसल तेज हवा के कारण धराशायी हो रही है। जिले में धान की खेती के लगभग 30 प्रतिशत रकबे में फसल गिरने की आशंक जताई जा रही है।

वहीं खेतों में पानी भरने से फसल को और नुकसान पहुंचने की चिंता किसानों को सता रही है। लगातार वर्षा के कारण कटाई का काम भी प्रभावित हुआ है। दूसरी ओर, बारिश से बांधों के जलस्तर में वृद्धि दर्ज की गई है। दर्रा बांध के 12 नंबर गेट को दो फीट तक खोलकर पानी छोड़ा गया है, जबकि मिनीमाता बांगो बांध में भी जलस्तर बढ़ा है।

गुरुवार को सुबह से ही आसमान में बादल छाए रहे। रुक-रुककर बारिश के साथ तेज हवा चलती रही। बुधवार की तुलना में गुरुवार को मौसम का असर अधिक व्यापक दिखाई दिया। खेतों में खड़ी धान की फसल हवा के दबाव से जमीन पर गिर गई है। फसल पकने की अवस्था में होने के कारण किसानों की चिंता बढ़ गई है। खेतों में पानी जमा होने से गिरी हुई फसल के खराब होने की आशंका भी है। धराशायी फसल से उपज में कमी आने की आशंका ने किसानो के माथे पर चिंता की लकीरें खींच दी है। लगातार बारिश के चलते किसानों ने फ्लहाल कटाई का काम रोक दिया है।

चक्रवात अर्नब से निपटने केेंद्र की मदद पर विष्णुदेव साय ने अमित शाह का जताया आभार

रायपुर, (आरएनएस)। चक्रवात अर्नब के प्रभाव से निपटने के लिए केंद्र सरकार की ओर से मिल रहे सहयोग पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के प्रति आभार व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ समेत चक्रवात से प्रभावित सभी राज्यों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के केंद्र के भरोसे से राहत और बचाव कार्यों को मजबूती मिली है।

प्रदेशवासियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी प्रतिक्रिया साझा करते हुए कहा कि प्रदेशवासियों की सुरक्षा राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि संबंधित एजेंसियों के साथ समन्वय बनाकर राहत एवं बचाव कार्य किए जा रहे हैं। साथ ही, जरूरतमंद लोगों तक आवश्यक सहायता पहुंचाने के लिए सरकार पूरी प्रतिबद्धता से काम कर रही है।

राहत और बचाव कार्यों पर प्रशासन की नजर

चक्रवात के संभावित प्रभाव को देखते हुए प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा और राहत व्यवस्था को लेकर सतर्कता बरती जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विभाी एजेंसियों के समन्वित प्रयासों से प्रभावित लोगों को जरूरी सहायता उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

मतदाता सूची में अनियमितताओं व एसआईआर और चुनावी पारदर्शिता पर कांग्रेस ने कानग्रेस की प्रमुख आशंका ने किसानो के माथे पर चिंता की लकीरें खींच दी है।

मतदाता सूची में अनियमितताओं व एसआईआर और चुनावी पारदर्शिता पर कांग्रेस ने उठाए सवाल

कोरबा, (आरएनएस)। मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं, एसआईआर प्रक्रिया और चुनावी पारदर्शिता को लेकर कांग्रेस ने ‘वोट बचाओ-देश बचाओ’ अभियान के तहत देशव्यापी जनजागरण की तैयारी तेज कर दी है। इसी कड़ी में जिला कांग्रेस कमेटी कोरबा शहर द्वारा टीपी नगर स्थित कांग्रेस कार्यालय में पत्रकार वार्ता आयोजित की गई। इसमें एआईसीसी द्वारा नियुक्त केंद्रीय पर्यवेक्षक नवज्योत पटनायक तथा पीसीसी पर्यवेक्षक, प्रदेश के पूर्व मंत्री एवं खरसिया विधायक उमेश पटेल पहुंचे। उन्होंने पत्रकारों से चर्चा करते हुए अभियान के उद्देश्य और कांग्रेस की प्रमुख मांगों की जानकारी दी।

कांग्रेस ने मतदाता सूची से कथित तौर पर नाम हटाए जाने, दोहरे पंजीकरण और चुनावी आंकड़ों में विसंगतियों के आरोपों की स्वतंत्र एवं समयबद्ध जांच कराने की मांग उठाई। पार्टी का कहना है कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता, निष्पक्षता और जवाबदेही सुनिश्चित करना जरूरी है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने महाराष्ट्र और कर्नाटक के महादेवपुरा एवं आलंद सहित विभिन्न क्षेत्रों के चुनावी आंकड़ों का हवाला देकर मतदाता सूची को विश्वसनीयता पर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस की मांग है कि निर्वाचन आयोग संबंधित आंकड़ों और मतदाता सूची में किए गए बदलावों का विवरण सार्वजनिक करे, ताकि चुनावी प्रक्रिया को लेकर उठ रही शंकाओं का समाधान हो सके।



‘वोट बचाओ-देश बचाओ’ अभियान के तहत जिला एवं राज्य स्तर पर प्रेस कॉन्फ्रेंस, गांवों में चैपाल, मतदाता सूची का सत्यापन और जनसंपर्क कार्यक्रम आयोजित करने की योजना है। इसके माध्यम से लोगों को उनके मतार्धिकार के प्रति जागरूक किया जाएगा। कांग्रेस ने पात्र मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में सुरक्षित रखने तथा किसी का नाम हटाए जाने की स्थिति में नियमानुसार अपील का अवसर सुनिश्चित करने की मांग की है। कांग्रेस की प्रमुख मांगों में कथित चुनावी अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच, मतदाता सूची में किए गए बदलावों का विवरण सार्वजनिक करना तथा निर्वाचन आयोग की स्वतंत्रता, पारदर्शिता और विश्वसनीयता को मजबूत करना शामिल है।

पत्रकार वार्ता के माध्यम से कांग्रेस नेताओं ने मतार्धिकार की रक्षा और चुनावी प्रक्रिया में जनता का विश्वास बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया। पार्टी

अर्नब ने छिपाया चंद्रमा को, महिलाओं ने किया ऑनलाइन दर्शन



कोरबा, (आरएनएस)।

मौसम के तेवर ऐसे रहे कि सूर्यास्त के शेड्यूल से लेकर अगले कई घंटे तक आसमान में चंद्रमा अदृश्य रहा। इस वजह से ब्रतियों की चिंता बढ़ी। दूसरे प्रदेश से संपर्क हुआ तो जानकारी मिली कि वहां बिना किसी दिक्कत के चंद्रमा दिखाई दे रहा है। दीपका में रेखा सोनी, संजना श्राफ लक्ष्मी श्रीवास, गीता राठौर, लक्ष्मी तिवारी ,शोभा कश्यप, यामिनी पटेल और सुभाषिनी समेत अन्य महिलाओं ने ऑनलाइन कनेक्टिविटी के जरिए चंद्रमा के दर्शन किए और व्रत को पूरा किया। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक कारणों से होने वाली समस्या के लिए गृहाल और अन्य सच ईंजन ने जो सुविधा दी है इसके लिए कंपनीयों के संचालक धन्यवाद के पात्र हैं।

का कहना है कि प्रत्येक पात्र नागरिक को मतदान का अधिकार सुरक्षित मिलना चाहिए और लोकतांत्रिक व्यवस्था में पारदर्शिता सुनिश्चित होनी चाहिए। इसी उद्देश्य से ‘वोट बचाओ-देश बचाओ’ अभियान को जन-जन तक पहुंचाने की दिशा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं को सक्रिय किया जाएगा।

बच्चों में रोग से लड़ने की क्षमता विकसित करेगा स्वर्ण बिंदु प्राशन

कोरबा, (आरएनएस)। चलो आयुर्वेद की ओर मिशन के तहत लार्यंस क्लब कोरबा एक्वेस्ट, पतंजलि चिकित्सालय एवं शिव औषधालय के संयुक्त तत्वाधान में बच्चों में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए ‘बच्चे रहे स्वस्थ’ योजनान्तगत नाड़ीवैद्य डॉ.नागेंद्र नारायण शर्मा द्वारा पतंजलि चिकित्सालय, शिव औषधालय दुकान क्रमांक 10,11 महानदी कॉपलेक्स निहारिका रोड कोरबा में 1 नवंबर को अति शुभ रवि पुष्य नक्षत्र में आयुर्वेदिक इम्प्यूनाईजेसन प्रोग्राम के तहत स्वर्ण बिन्दु प्राशन संस्कार कराया जायेगा। डॉ. नागेंद्र नारायण शर्मा ने बताया कि स्वर्ण बिंदु प्रासन संस्कार से बच्चों में इम्प्युनिटी पावर डेव्लप होता है। बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिये बच्चों को एवं उनके अभिभावकों को बच्चों की आयुनुसार उनके लिए उपयोगी आहार विहार के विषय मे जानकारी दी जाएगी।

खेल समाचार

भारत को कीवियों के खिलाफ मिली शर्मनाक हार, 7 साल बाद न्यूज़ीलैंड में T-20 मैच हारा भारत

रॉबिन उथप्पा बने मुंबई इंडियंस के बैटिंग कोच, फ्रेंचाइजी ने दी जानकारी

मुंबई (ए.),। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का खिताब पांच बार जीत चुकी मुंबई इंडियंस (एमआई) ने रॉबिन उथप्पा को आईपीएल 2027 से पहले अपना बल्लेबाजी कोच नियुक्त किया है। एमआई ने अपने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी है। एमआई ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर रॉबिन उथप्पा का स्वागत करते हुए लिखा, हमारे पहले सीजन का हिस्सा बनने से लेकर ढेर सारे अनुभव के साथ लौटने तक। रॉबी खेल की गहरी समझ, बेहतरीन संवाद और युवाओं का मार्गदर्शन करने में स्पष्टता लाते हैं। पलटन में आपका स्वागत है, रॉबिन। आपका नया बैटिंग कोच। 11 नवंबर को 41 साल के होने जा रहे रॉबिन उथप्पा ने भारत के लिए 46 वनडे और 13 टी20 मैच खेले हैं। उथप्पा 2007 में टी20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य रहे हैं।

रॉबिन के पास आईपीएल का लंबा अनुभव है और वह लीग के सफल बल्लेबाजों में से एक रहे हैं। कोलकाता नाइटराइडर्स (केकआर) को 2014 में चैंपियन बनाने में अग्रम भूमिका निभाने वाले रॉबिन 2021 में लीग जीतने वाली चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के सदस्य रहे थे।

2008 से 2022 के बीच रॉबिन उथप्पा ने मुंबई इंडियंस, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, पुणे वॉरियर्स इंडिया, केकेआर, राजस्थान रॉयल्स और सीएसके के लिए खेले हैं। कुल 205 मैचों की 197 पारियों में इस आक्रामक बल्लेबाज ने 27 अर्धशतक लगाते हुए 4,952 रन बनाए थे।

रॉबिन ने बेशक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और आईपीएल को अलविदा कह दिया है, लेकिन टी10 लीग में वे अब भी सक्रिय हैं। उनकी बल्लेबाजी का अंदाज बेहद आक्रामक रहा है। एमआई पिछले कुछ सीजन में अपनी बल्लेबाजी की कमियों से जूझ रही है। ऐसे में रॉबिन, जो की आईपीएल का व्यापक अनुभव रखते हैं, एमआई को बल्लेबाजी में गहराई और आक्रामकता लाने में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। बतौर कोच आईपीएल में रॉबिन का यह पहला असाइनमेंट है।

मुंबई इंडियंस ने कोचिंग सेटअप को दिया नया लुक, पोलाई के बाद उथप्पा, मैक्लेनेघन, दिलीप और कुलकर्णी की एंट्री

मुंबई, (आरएनएस)। मुंबई इंडियंस (एमआई) ने शुक्रवार को आईपीएल 2027 के लिए रॉबिन उथप्पा को बैटिंग कोच, मिशेल मैक्लेनेघन को गेंदबाजी कोच, टी. दिलीप को फील्डिंग कोच और धवल कुलकर्णी को डेवलपमेंट गेंदबाजी कोच नियुक्त किया है। रॉबिन उथप्पा, मिशेल मैक्लेनेघन और धवल कुलकर्णी पूर्व में मुंबई इंडियंस के लिए लंबे समय तक खेल चुके हैं। मिशेल मैक्लेनेघन का गेंदबाजी कोच के रूप में स्वागत करते हुए एमआई ने एक्स पर लिखा, हमें मिच वापस मिल गया। एक फैन फेवरेट जिसने अपनी एमआई का बैज पहना और एमआई स्पिरिट को दिखाया। घर में स्वागत है, मिशेल मैक्लेनाघन।

न्यूजीलैंड के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मिशेल मैक्लेनेघन ने 2015 से 2019 तक 56 मैच खेले, जिसमें 71 विकेट हासिल किए। इस दौरान एमआई 2015, 2017 और 2019 में विजेता रही थी।

एमआई ने भारतीय टीम के पूर्व फील्डिंग कोच टी. दिलीप को अपना फील्डिंग कोच बनाया है। टी. दिलीप भारत के सफलतम फील्डिंग कोच रहे हैं।

दिलीप का स्वागत करते हुए एमआई ने एक्स पर लिखा, भारत के साथ तीन आईसीसी खिताब से लेकर मंडल सेटमनी के यादगार पलों तक, टी. दिलीप ने अपनी ऊर्जा और पैशन से फैंस का दिल जीता है। अब, वह हमारे फील्डिंग कोच के तौर पर पलटन में भी वही जोश लाते हैं।एमआई ने पूर्व तेज गेंदबाज धवल कुलकर्णी को डेवलपमेंट गेंदबाजी कोच नियुक्त किया है।एक्स पर कुलकर्णी का स्वागत करते हुए एमआई ने लिखा, मुंबई के अपने, घरेलू टीम के दिग्गज, और अब हमारे डेवलपमेंट बॉलिंग कोच। वापसी पर स्वागत है, धवल कुलकर्णी।

धवल कुलकर्णी 2007 से 2013 और 2020 से 2021 तक एमआई का हिस्सा रह चुके हैं। इस दौरान उन्होंने 35 मैचों में 36 विकेट लिए। इसके अलावा, वह गुजरात लार्यंस और राजस्थान रॉयल्स के लिए भी खेल चुके हैं।

दैनिक क्षितिज किरण 7

रायपुर में चोरी की चार वारदातें, लैपटॉप से चांदी के जेवर और कॉपर पाइप तक पार

रायपुर, (आरएनएस)। राजधानी में चोरी की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। खम्हारडीह, मौदहापारा और राजेंद्र नगर थाना क्षेत्रों में चोरों ने अलग-अलग वारदातों को अंजाम देकर लैपटॉप, चांदी के जेवर, कॉपर पाइप और दोपहिया वाहन पार कर दिए। वहीं राजेंद्र नगर पुलिस ने अवैध चाकू लेकर लोगों को डराने वाले एक युवक को गिरफ्तार किया है। खम्हारडीह थाना क्षेत्र के भवानी नगर स्थित एक हॉस्टल में अज्ञात चोर ने कमरे में घुसकर लैपटॉप चोरी कर लिया। लैपटॉप की कीमत 10 हजार रुपये बताई गई है। मामले में नमन कुमार देवांगन की रिपोर्ट पर पुलिस ने अपराध दर्ज किया है। इसी तरह मौदहापारा थाना क्षेत्र में मेकाहारा केंसर सिटीरी वार्ड-60 के सामने से नीलम निषाद के बैग में रखे दो चांदी के चैन, चांदी की पायल और तीन अंगूठियां चोरी हो गईं। चोरी गए जेवरों की कीमत करीब 14 हजार रुपये बताई गई है। एक अन्य घटना में एमजी रोड स्थित अरहम रेजिडेंसी, जवाहर नगर के पास अज्ञात चोर ने दुकान का ताला तोड़कर अंदर रखे करीब 100 किलो कॉपर पाइप चोरी कर लिए। चोरी गए पाइप की कीमत लगभग 80 हजार रुपये बताई गई है। मामले में सीरभ सुराना ने रिपोर्ट दर्ज कराई है।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान को मातृ शोक, माता काशी बाई का निधन, छत्तीसगढ़ मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जताया शोक

रायपुर, (आरएनएस)। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की पुज्य माता श्रीमती काशी बाई जी का आज सुबह भोपाल एम्स में निधन हो गया। वह लंबे समय से बीमार थीं और पिछले एक सप्ताह से एम्स में भर्ती थीं, जहां वेंटिलेटर सपोर्ट पर उनका इलाज चल रहा था। काशी बाई लगभग 76 वर्ष की थीं। उनके निधन के बाद शिवराज सिंह चौहान ने अपने सभी पूर्व निर्धारित कार्यक्रम रद्द कर दिए हैं। उनका पार्थिव शरीर आज सुबह 11 बजे से दोपहर 12 बजे तक भोपाल के साकेत नगर स्थित आवास 9-बी पर अंतिम दर्शन के लिए रखा गया। इसके बाद पार्थिव देह को उनके पैतृक गांव जैत, जिला सीहोर ले जाया जाएगा, जहां दोपहर 3 बजे नर्मदा तट पर अंतिम संस्कार किया जाएगा। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने झू पर शोक व्यक्त करते हुए लिखा कि केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान जी की पुज्य माताजी के निधन का समाचार अत्यंत दु:खद है। माँ का स्नेह और आशीर्वाद जीवन का सबसे बड़ा संबल होता है, उनका जाना परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है। बता दें कि शिवराज सिंह की सगी मां सुंदरबाई का निधन बचपन में ही हो गया था, जिसके बाद पिता प्रेम सिंह ने काशी बाई से विवाह किया था, जिन्होंने परिवार को संभाला।

रायपुर में ईडी की दबिश, शराब घोटाला मामले में अनवर ढेबर के ठिकाने पर छापा

रायपुर, (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में शुक्रवार सुबह प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए कई ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। चर्चित शराब घोटाला मामले में आरोपी अनवर ढेबर के आवास पर भी ईडी की टीम पहुंची। सुबह से जारी इस कार्रवाई से राजधानी में हलचल मच गई है।

जानकारी के अनुसार, ईडी के अधिकारी रायपुर में तीन से चार अलग-अलग स्थानों पर जांच कर रहे हैं। अलग-अलग टीमों ने संबंधित ठिकानों पर पहुंचकर दस्तावेजों, वित्तीय लेन-देने और अन्य रिकॉर्ड की पड़ताल शुरू की है। कार्रवाई के दौरान अनवर ढेबर के आवास के बाहर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। सुरक्षाबलों की तैनाती के बीच ईडी के अधिकारी घर के भीतर जांच में जुटे हुए हैं। फ्लिहाल छापेमारी किन तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर की जा रही है, इसकी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। जांच एजेंसी की ओर से भी कार्रवाई को लेकर विस्तृत बयान जारी नहीं किया गया है।



नाथन स्मिथ को कैच देकर पवेलियन लौटे। अर्शदीप सिंह बिना खाता खोले आउट हुए। तिलक वर्मा ने 35 गेंदों का सामना करते हुए 35 रन बनाए, जबकि प्रिंस यादव 17 गेंदों में 18 और मयंक यादव 3 रन बनाकर नानाद रहे। न्यूजीलैंड की तरफ से गेंदबाजी में जैकब डफी ने शानदार प्रदर्शन करते

नाथन स्मिथ को कैच देकर पवेलियन लौटे।

अर्शदीप सिंह बिना खाता खोले आउट हुए।

तिलक वर्मा ने 35 गेंदों का सामना करते हुए 35 रन बनाए,

जबकि प्रिंस यादव 17 गेंदों में 18 और मयंक यादव 3 रन बनाकर नानाद रहे।

न्यूजीलैंड की तरफ से गेंदबाजी में जैकब डफी ने शानदार प्रदर्शन करते

हुए 4 ओवर में 23 रन देकर 4 विकेट निकाले। वहीं, कप्तान मिचेल सैंटनर ने 4 ओवर में 24 रन देकर 2 विकेट झटकें। मैथ्यू फिशर भी 2 विकेट निकालने में सफल रहे।इससे पहले, न्यूजीलैंड ने 20 ओवर में 7 विकेट गंवाकर स्कोरबोर्ड पर 259 रन लगाए। टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और

टिम सीफर्ट महज 3 रन बनाकर मयंक यादव की गेंद पर आउट हुए। इसके बाद दूसरे विकेट के लिए फिन एलन और डेरिल मिचेल ने मिलकर 11 गेंदों में 29 रन जोड़े। मिचेल 9 गेंदों में 24 रन बनाकर आउट हुए, जबकि एलन 17 गेंदों में 2 चौके और 2 छकों की मदद से 31 रन बनाने के बाद पवेलियन लौटे। हालांकि, इसके बाद ग्लेन फिलिप्स ने मोर्चा संभाला और उन्होंने ताबड़तोड़ अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 49 गेंदों में 107 रनों की लाजवाब पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने 6 चौके और 10 छक्के लगाए। वहीं, माइकल ब्रेसवेल ने सिर्फ 25 गेंदों का सामना करते हुए 65 रनों की दमदार पारी खेली। भारत की ओर से गेंदबाजी में मयंक यादव ने 48 रन देकर सर्वाधिक 3 विकेट चटकाए, जबकि प्रिंस यादव, अक्षर पटेल और नीतीश कुमार रेड्डी ने एक-एक विकेट चटकाया। पांच मैचों की टी20 सीरीज में यह न्यूजीलैंड की पहली जीत है। हालांकि, टीम इंडिया सीरीज में 3–1 की बढ़त पहले ही हासिल कर चुकी है।

टिम सीफर्ट महज 3 रन बनाकर मयंक यादव की गेंद पर आउट हुए।

इसके बाद दूसरे विकेट के लिए फिन एलन और डेरिल मिचेल ने मिलकर 11 गेंदों में 29 रन जोड़े।

मिचेल 9 गेंदों में 24 रन बनाकर आउट हुए, जबकि एलन 17 गेंदों में 2 चौके और 2 छकों की मदद से 31 रन बनाने के बाद पवेलियन लौटे।

हालांकि, इसके बाद ग्लेन फिलिप्स ने मोर्चा संभाला और उन्होंने ताबड़तोड़ अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 49 गेंदों में 107 रनों की लाजवाब पारी खेली।

अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने 6 चौके और 10 छक्के लगाए। वहीं, माइकल ब्रेसवेल ने सिर्फ 25 गेंदों का सामना करते हुए 65 रनों की दमदार पारी खेली।

भारत की ओर से गेंदबाजी में मयंक यादव ने 48 रन देकर सर्वाधिक 3 विकेट चटकाए,

जबकि प्रिंस यादव, अक्षर पटेल और नीतीश कुमार रेड्डी ने एक-एक विकेट चटकाया।

पांच मैचों की टी20 सीरीज में यह न्यूजीलैंड की पहली जीत है।

हालांकि, टीम इंडिया सीरीज में 3–1 की बढ़त पहले ही हासिल कर चुकी है।

मुंबई (ए.),। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा न्यूजीलैंड के खिलाफ 4 नवंबर से शुरू हो रही 5 वनडे मैचों की सीरीज से बाहर हो गए हैं। वह बाएं हैंडमिटिंग की चोट से उबर रहे हैं। प्रसिद्ध को गुवाहाटी में वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे के दौरान चोट लगी थी और न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में उनका खेलना फिटनेस क्लियरेंस पर ही निर्भर था। बीसीसीआई ने शुक्रवार को बताया कि कृष्णा न्यूजीलैंड ए के खिलाफ आखिरी चार दिवसीय मैच के लिए इंडिया ए टीम में शामिल होंगे। हालांकि, उनका खेलना उनकी फिटनेस पर निर्भर होगा। बोर्ड ने अपने बयान में कहा, दाएं हाथ के पেসर, जो हैमस्ट्रिंग की चोट से उबर रहे हैं, उन्हें मैचों के लिए तैयार होने के लिए अतिरिक्त समय की आवश्यकता होगी। प्रसिद्ध न्यूजीलैंड ए के खिलाफ तीसरे और आखिरी चार-दिन के मैच के लिए इंडिया ए टीम में शामिल होंगे। बशर्ते, वह रिटर्न टू प्ले (आरटीपी) जांच पास कर लें। इससे उन्हें मैच अभ्यास करने और दो-टेस्ट मैचों की सीरीज की तैयारी का मौका मिलेगा।

ऑल-राउंडर नीतीश कुमार रेड्डी, जिन्हें पहले पूरी वनडे सीरीज के लिए चुना गया था, अब सिर्फ पहले वनडे में खेलेंगे और फिर 6 नवंबर से शुरू होने वाले तीसरे अनाधिकारिक टेस्ट के लिए ए टीम से जुड़ेंगे।बीड ने कहा, नीतीश कुमार रेड्डी 4 नवंबर को न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले पहले वनडे के लिए उपलब्ध होंगे।

नर्मदांचल की प्रशासनिक हलचल सोमेश मिश्रा को हटाए जाने के दौरान ही एसपी को हटाए जाने की होने लगी थी अटकलें

जिले में अधिकांश युवा अधिकारियों की टीम बनने से बढ़ रही है विकास की नई उम्मीदें

बलराम शर्मा
नर्मदापुरम। कलेक्टर के रूप में सोनिया मीना के तबादला होने से जिलेवासियों में खुशी जाहिर हुई थी। छह माह में कलेक्टर सोमेश मिश्रा के बदले जाने के बाद से ही एसपी साई कृष्ण थोटा के भी जाने की अटकलें लगने लगी थी। अब थोटा की जगह पर दीपक शुक्ला नए पुलिस अधीक्षक आ रहे हैं। जिले में अब अधिकांश युवा अधिकारियों की टीम बन गई है। जिनसे जिलेवासियों को विकास की नई उम्मीद बन रही है। सभी प्रमुख विभागों में इस समय युवा अधिकारी ही कमान संभाले हुए हैं। डिप्टी कलेक्टर, तहसीलदार नायब तहसीलदार में से एक दो को छोड़कर युवा ही हैं। इसके साथ ही जेडीओ, टीओ, जिला उद्योग केंद्र जीएम, आरईएस कार्यपालन यंत्री, लोनिवि, डीएमओ, जिला आपूर्ति अधिकारी, महिला बाल विकास, सहित अन्य अनेक विभागों में

टाइमपास करने वाले अब ज्यादा दिन नहीं टिक पाएंगे

अधिकारी युवा ही हैं। अब एसपी भी युवा आ गए हैं। अब जिले में लाइन आर्डर में भी सुधार की अपेक्षा और संभावना है। कुछ समय से अपराधों में वृद्धि होना तेज हो गई थी। जिसमें प्रमुख रूप से चाकूबाजी, चोरी होने, लोगों के साथ ठगी, हर कहीं झगड़े होना, जुआ सट्टा शराब का खुलेआम होना सहित अन्य अपराध बढ़ते जा रहे थे। ऐसी स्थिति में तथा जिले में किसानों के आंदोलन तेज होने की प्रमुखों को भनक नहीं लगने से प्रशासनिक अधिकारियों के तबादले की सुगबुगाहटें पिछले कुछ समय से चर्चाओं में तेजी से हो रही थी और हुआ भी वही कि कलेक्टर एसपी दोनों को बदल दिए गए। दोनों को भोपाल बुला लिया गया।

अब सजगता से फील्ड में रहना आवश्यक है

आने वाले वर्ष में चुनावी माहौल बन जाएगा। शासन में बैठे सत्ताधारियों की प्रशासन में बैठे अधिकारियों से काम में गति की अपेक्षा और अधिक होना स्वाभाविक रहेगी। इस कारण जन विश्वास जैसे कार्यक्रम तथा जनता से सीधे जुड़े अभियान, शिविर अर्थात फील्ड पर अधिकारियों का पहुंचना तथा शासन की योजनाओं का धरातल पर क्रियान्वयन आवश्यक रहेगा।

विकास के नए आयाम गढ़ने की अपेक्षा
जो अधिकारी पदों पर बैठे हैं उससे जिलेवासियों जनप्रतिनिधियों तथा सरकार को विकास के नए आयाम गढ़ने की अपेक्षा बढ़ती जा रही है। कम बजट में ज्यादा कार्य कैसे हो इस पर जो अधिकारी खरा उतरेंगे वही शासन में बैठे लोगों तथा आम नागरिकों को ठीक लगेगा। टाइमपास करने वाले अब ज्यादा दिन नहीं टिक पाएंगे।

जेडी और कार्यपालन यंत्री ने लिया विकास व स्वच्छता कार्यों का जायजा

नर्मदापुरम (निप्र)। नगरीय प्रशासन विभाग के ज्वाइंट डायरेक्टर (जेडी) राजकुमार इवानाते एवं कार्यपालन यंत्री सचिन कडू ने नगर का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने विकास योजनाओं तथा स्वच्छता व्यवस्था की जमीनी स्थिति का जायजा लिया। मौजूद कर्मचारियों एवं अधिकारियों को समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण कार्य पूर्ण करने के सख्त निर्देश दिए। साथ ही नगर की सफाई व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा मुख्य मार्गों व रिहायशी इलाकों में नियमित स्वच्छता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। साथ ही ट्रेचिंग ग्राउंड पर कचरे को ढेर को कम करने हेतु निर्देशित किया तथा कांटेक्टर द्वारा कार्य नहीं करने पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान मुख्य नगरपालिका अधिकारी वैभव देशमुख, स्वच्छ भारत अभियान के प्रभारी अनुराग तिवारी, इंजीनियर मुकेश जैन, दीक्षा तिवारी भी उपस्थित रहे। प्रशासनिक टीम ने विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण कर नागरिकों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं प्रदान करने और स्वच्छता मानकों का कड़ाई से पालन कराने की।

ओ.पी.श्रीवास्तव बने राज्य आनंद संस्थान के नए सीईओ कायस्थ महासभा ने दी बधाई



नर्मदापुरम (निप्र)। राज्य सरकार द्वारा प्रशासनिक स्तर पर बड़ा फेरबदल करते हुए सेवानिवृत्त वरिष्ठ अधिकारी ओ.पी. श्रीवास्तव आईएसएस को राज्य आनंद संस्थान का मुख्य कार्यपालन अधिकारी नियुक्त किया गया है। उनकी इस नियुक्ति पर प्रशासनिक हलकों सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों में हर्ष का माहौल है। श्री श्रीवास्तव को इस महत्वपूर्ण पद पर नियुक्ति होने पर अखिल कायस्थ महासभा के पदाधिकारियों और सदस्यों ने प्रसन्नता व्यक्त की है। महासभा के प्रांतीय सचिव राजीव खरे ने उन्हें बधाई व उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। कायस्थ महासभा के जिला अध्यक्ष शैलेन्द्र नाथ श्रीवास्तव ने कहा कि ओ.पी.श्रीवास्तव मध्यप्रदेश शासन से गृह सचिव पद से सेवानिवृत्त हुए आप एक कुशल, ईमानदार और कर्मठ

अधिकारी रहे हैं। उनके नेतृत्व में राज्य आनंद संस्थान अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने में और अधिक सफल होगा तथा समाज में खुशहाली और सकारात्मकता बढ़ने के नए प्रयास किए जाएंगे।

बधाई देने वालों में महासभा के प्रमुख सदस्य राजेश कुलश्रेष्ठ, अजय निगम, पवन सक्सेना, मुकेश कानूनगो, अशोक श्रीवास्तव, आलोक श्रीवास्तव, सुरेश सक्सेना, जय वाला निगम, अनुज श्रीवास्तव, शरद श्रीवास्तव, विजय प्रकाश श्रीवास्तव, अनिल सक्सेना, दीपक सक्सेना, प्रकाश सक्सेना, मुकेश श्रीवास्तव, आलोक कुलश्रेष्ठ, भानु श्रीवास्तव, अतुल श्रीवास्तव, सजेंद्र श्रीवास्तव, संजय श्रीवास्तव, डॉ. दिनेश श्रीवास्तव, सुरेंद्र वर्मा, सूरज श्रीवास्तव, देवेंद्र श्रीवास्तव, आशीष श्रीवास्तव, बलराम श्रीवास्तव, अनुज श्रीवास्तव, प्रवीण श्रीवास्तव, राहुल राय, सौरभ सक्सेना, लता सक्सेना, प्रतिभा खरे, मीनाक्षी निगम, सीमा कुलश्रेष्ठ, सपना श्रीवास्तव, सुलेखा श्रीवास्तव, रुचि सक्सेना, ख्याति सक्सेना, रक्षा श्रीवास्तव, कल्पना श्रीवास्तव, नेहा श्रीवास्तव, अपर्णा श्रीवास्तव, मृदुला वर्मा, रमा श्रीवास्तव, निधि श्रीवास्तव, राखी श्रीवास्तव, अल्पना श्रीवास्तव, रश्मि कुलश्रेष्ठ, डा. रश्मि श्रीवास्तव, कमलेश सक्सेना, प्रवीण निगम, श्रीप्रकाश खरे, कार्तिक खरे, तनिक श्रीवास्तव, राधेश्याम श्रीवास्तव, श्री हरि वर्मा, साहिल सक्सेना, आर.एस.चौहान, आदि सामाजिकजनों ने शुभकामनाएं दी।

शासकीय शाला रायपुर में उप सचिव ने किया औचक निरीक्षण



संवाद भी किया। विद्यार्थियों से संतुष्टी पूर्ण उत्तर मिलने पर उन्होंने सराहना की। उन्होंने पूछा कि यह स्कूल कितने वर्ष पुराना है प्राचार्य बीपी पठारिया द्वारा बताया गया कि यह 1960 का हाई स्कूल है।

नर्मदापुरम (निप्र)। उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रायपुर में मध्य प्रदेश शासन की उपसचिव श्रीमती मंजूषा राय द्वारा शुक्रवार को आकस्मिक निरीक्षण किया गया। जिसमें उन्होंने विद्यालय के विद्यार्थियों से प्रश्न भी पूछे और विद्यार्थियों से

राज्य स्तरीय कुराश में समेरिटस स्कूल के खिलाड़ियों ने जीते 11 पदक



नर्मदापुरम (निप्र)। हाल ही में दतिया में आयोजित राज्य स्तरीय जूनियर कुराश प्रतियोगिता में समेरिटस स्कूल के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 11 पदक जीतकर विद्यालय एवं जिले को गौरवान्वित किया। प्रतियोगिता में बालिका वर्ग में आरुषि सल्लम ने स्वर्ण तथा चारु चिचाम ने रजत पदक हासिल किया। वहीं पूर्वी यादव, तनिका यादव, सानवी गौर, सुहानी शर्मा, अर्नवी मिश्रा, सौम्या चौहान, शिवांश मालवीय एवं दक्ष धुर्वे ने कांस्य पदक जीता प्रतियोगिता में स्वर्ण एवं रजत पदक प्राप्त

करने वाले खिलाड़ी आगामी माह दिल्ली में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय कुराश प्रतियोगिता में सहभागिता करेंगे। यह उपलब्धि खिलाड़ियों की मेहनत, अनुशासन एवं कोच के कुशल मार्गदर्शन का परिणाम है। खिलाड़ियों की इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती प्रेरणा रावत, विक्रांत खंपरिया, राजेंद्र रघुवंशी, सचिन खंपरिया तथा खेल प्रशिक्षक वैशाली तिवारी एवं विनोद साहू ने सभी पदक विजेता खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने खिलाड़ियों के उज्ज्वल

अकादमिक काउंसलर डॉ. तोमर ने कलेक्टर से भेंट की

नर्मदापुरम (निप्र)। सक्रिय समाजसेवी और अकादमिक काउंसलर डॉ. मयंक तोमर ने जिले में शिक्षा का स्तर मजबूत करने के उद्देश्य से नवागत कलेक्टर आशीष वशिष्ठ से मुलाकात की।

इस दौरान डॉ. तोमर ने कलेक्टर से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्रों के लिए निःशुल्क कक्षाएं आयोजित करने का आग्रह किया। डॉ. मयंक तोमर ने बताया कि नर्मदापुरम के छात्रों को सरकारी नौकरियों की तैयारी के लिए इंदौर, भोपाल और दिल्ली जैसे बाहरी शहरों में जाना पड़ता है, जो हर मध्यमवर्गीय परिवार के लिए आर्थिक रूप से संभव नहीं है। इसलिए, जिला प्रशासन को इस दिशा में कदम उठाने चाहिए।

भविष्य की कामना करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया।

पं. गिरि मोहन गुरु का जबलपुर में 31 अक्टूबर को होगा सम्मान

नर्मदापुरम (निप्र)। कादंबरी संस्था जबलपुर के तत्वावधान में साहित्य मनीषियों का

अंतर्राष्ट्रीय महाकुंभ होने जा रहा है। इसमें 129 साहित्यकारों-पत्रकारों को सम्मानित किया जाएगा। इस बार नर्मदापुरम से पं. गिरि मोहन गुरु का चयन हुआ है।

उनको इस अवसर पर शाल, श्रीफल के साथ 11,000 रु. सम्मान निधि प्रदान की जावेगी। श्री गुरु की इस उपलब्धि पर शिव संकल्प साहित्य परिषद के आचार्य अजय दुबे, डॉ. कृष्ण गोपाल मिश्र, डॉ. नर्मदा प्रसाद सिसोदिया, बलराम शर्मा शास्त्री, नित्य गोपाल कटारे, जगदीश बाजपेई, सुभाष यादव, रणजीत सिंह, एस. राजौरिया, संजय मिश्रा आदि ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

स्वलाधिका, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एवं व्यूज प्रमुख श्री कृष्णाकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस, तलैया भोपाल एवं श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुर भोपाल से मुद्रित तथा "क्षितिज किरण स्टूडियो, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद)" से प्रकाशित। स्थानीय व्यूज प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshittijikiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshittijikiran.com



नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

वन श्रमिकों की मेहनत का सम्मान

3.69 लाख तेंदूपत्ता संग्राहकों को ₹ 30 करोड़+ बोनस का अंतरण

विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण

मुख्यमंत्री

डॉ. मोहन यादव द्वारा

31 अक्टूबर 2026 । पुलिस ग्राउंड, बैतूल

जनजातीय कल्याण के निरंतर प्रयास

तेंदूपत्ता संग्राहकों को प्रति बोरा पारिश्रमिक ₹ 3000 से बढ़ाकर अब ₹ 4000

वन अधिकार अधिनियम के तहत 2.89 लाख+ दावों को मान्यता

20 जिलों में आदिवासी युवाओं को रोज़गार से जोड़ने के लिए 126 वन धन केंद्र स्थापित

पीएम जन मन योजना में 21 जिलों में स्वास्थ्य की देखभाल के लिए 66 मोबाइल मेडिकल यूनिट

791 वन ग्रामों का राजस्व ग्राम में परिवर्तन

D-111153/26

सीधा

प्रसारण

f

@Cmmadhyapadesh @jansampark.madhyapadesh

X

@Cmmadhyapadesh @jansamparkMP

YouTube

JansamparkMP